दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़
itdcnews.com
भारत सरकार डाक पंजीयन संख्या
MP/BHOPAL/4-504/2020-22
मध्य प्रदेश संस्करण
भारत सरकार आरएनआई संख्या
MPHIN/2018/77221
अंक 54, वर्ष 06, पृष्ठ 08, मूल्य रू. 2.00
भोपाल, रविवार , 01 जनवरी 2023

2023

नववर्ष पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ

नूतन वर्ष हर प्रदेशवासी के जीवन में सुख, समृद्धि और उन्नति का उजियारा लाये।

'सबके साथ चलें, सबको लेकर चलें.' - वीर

अपनों से अपनी सी बात

नव वर्ष में एक ही नारा हो सकता है जो हमें एक कर सकता है, 'सबके साथ चलें, सबको लेकर चलें'

ईसवीं संवत 2023 का पहला दिन, हम क्या संकल्प/प्रण करें तो मुझे लगता है 'आज के समय में किसी को अकेला मत छोडो, सबको लेकर चलें हम', यही प्रण 2023 में लेना चाहिए।

इसके इतर, हमारी हालत आज कुछ अलग ही है, हम अभाव रहित होना चाहते हैं, सर्वोत्तम होना चाहते हैं, सबसे ज्यादा संग्रहण की चाहत, उपर और उपर बढ़ने के झमेले में हम कब अति की सीमा को पार कर जाते हैं पता ही नहीं चलता. हम अपनों को अलग छोड़ते जा रहे हैं, हम अंतर में एकाकी और व्यवहार में खोखले हो रहे है।

सबसे अलग और उपर दिखने की होड़ ने हमें कहीं का नहीं छोड़ा, सड़क, बाज़ार, घर, सबसे उपर होना चाहते हैं. हमारा बस पड़े तो, सभी कुछ हम खुद ही हो जाना चाहते हैं. यहाँ तक कि स्वयम्भू ईश्वर तक बन जाना चाहते हैं। और तो और कई तो घोषणा भी कर चुके हैं कि वह पहुंचे हुए हैं।

कारण परवरिश है, जो भौतिक पैमाने पर जो बड़ा है, वही सही है, जैसे बड़ी गाडी, बड़ा एलपीए वाला वेतन, ऐसा पढाया गया. मुझे लगता है कि 'आवश्यकता की पूर्ति में संतोष' शब्द जुड़ा हुआ महसूस करें तो बात कुछ और होती।

जैसा कि हम सभी जानते हैं मानवीयता के पैमाने पर मध्यांक बिन्दु ही ईश तत्व है, फिर भी मनुष्य इसी गुणता पैमाने पर कभी इधर तो कभी उधर झूलता रहता है. यद्यपि वह जानता है कि संतुलन उसे भौतिक से पराभौतिक अस्तित्व में रूपांतरण दे सकता है, जिसकी पराकाष्ठा परम अस्तित्व में विलीनीकरण की संभावना तक निहित है।

हम मनुष्य रूप में जन्में हैं पर किसको मालूम कि आज हमारे अंतर में कितना मानुषिक गुणधर्म विधमान है. बात मानवीकरण की क्यों आ रही है क्योंकि हम अपनी चाहतों और मनमर्जियों के लिए, किसी भी हद तक जा रहे हैं।

आज हिंसा, अतिक्रमण, भ्रष्टाचार और हैवानियत जैसे शब्द से हम नित प्रतिदिन जूझ रहे रहे हैं. इन आदतों के चलते, हम अपने में से ही कुछ तथाकथित मनुष्यों की नई नस्ल देख रहे हैं जिन्हें पशु भी नहीं कह सकते हैं, यह तो केवल राक्षस नाम से ही संबोधित होना चाहिए।

तब हम कैसे बचें कि हमारा नाम इन तथाकथित दो पैर वाले राक्षसों की सूचि में दर्ज न हो. एक ही तरीका 'हमें संतुलित होना होगा'। बात सीधी है बीमारी का बीज अन्दर है तो सुधार भी अन्दर से ही हो सकता है, जो ह्रदय पर प्रेमपूरित ध्यान द्वारा संभव है।

आइये नव वर्ष में 'सबके साथ चलें, सबको लेकर चलें.'

2022 ने बिगाड़ा लोगों का बजट

गैस सिलेंडर हजार रुपए के पार, एक किलो आटा 26 से 32 रुपए का हुआ

नई दिल्ली। साल 2022 खत्म होने को है, इस साल महंगाई ने लोगों को खूब सताया। 2022 में पहली बार घरेलू गैस सिलेंडर 1,000 रुपए के पार निकल गया। वहीं आटा इस साल 26 रुपए से बढ़कर 32 रुपए किलो पर पहुंच गया है। इसी तरह हर घर में रोजाना उपयोग होने वाले सामान जैसे तेल, दूध और चावल जैसी चीजों के दाम भी इस साल बढ़े हैं। यहां हम आपको बता रहे हैं कि डेली यूज की चीजों के दाम साल 2022 में कितने घटे या बढ़े हैं।

महंगाई के बढ़ने का सीधा-सीधा मतलब आपके कमाए पैसों का मूल्य कम होना है। उदाहरण के लिए, यदि महंगाई दर 7त्न है, तो आपके कमाए 100 रुपए का मूल्य 93 रुपए होगा। ऐसे कई फैक्टर हैं जो किसी इकोनॉमी में कीमतों या महंगाई को बढ़ा सकते हैं। आमतौर पर, महंगाई प्रोडक्शन कॉस्ट बढ़ने, प्रोडक्ट और सर्विसेज की डिमांड में तेजी या सप्लाई में कमी के कारण होती है। महंगाई बढ़ने के 6 बड़े कारण होते हैं। भारत में महंगाई के कारणों की बात करें तो डॉलर की तुलना में रुपया कमजोर होकर 80 के स्तर के पार पहुंच गया है। डॉलर महंगा होने से भारत का आयात और महंगा होता जा रहा है और इससे घरेलू बाजार में चीजों के दाम भी बढ़ रहे हैं। वहीं कोविड के बाद से सप्लाई चेन अभी तक पूरी तरह से पटरी पर नहीं आई है, जिसने महंगाई को बढ़ाया है। इसके अलावा रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण क्रूड ऑयल और खाने-पीने के सामानों के दाम बढ़े हैं।

महंगाई कंट्रोल करने के टूल

1. मॉनेटरी पॉलिसी

सेंट्रल बैंक के पास रेपो रेट के रूप में महंगाई से लड़ने का एक शक्तिशाली टूल है। जब महंगाई बहुत ज्यादा होती है तो, रेपो रेट बढ़ाकर इकोनॉमी में मनी फ्लो को कम करने की कोशिश करता है। इससे डिमांड में कमी आती है और महंगाई घटती है।

2. इनकम टैक्स में बढ़ोतरी

महंगाई को को कम करने के लिए, सरकार करों (जैसे आयकर और त्रस्ञ) को बढ़ा सकती है और खर्च में कटौती कर सकती है। इससे सरकार की बजट स्थिति में सुधार होता है और अर्थव्यवस्था में मांग को कम करने में मदद मिलती है।

3. फिक्स्ड एक्सचेंज रेट मैकेनिज्म

एक देश निश्चित विनिमय दर तंत्र में शामिल होकर महंगाई को कम रखने की कोशिश कर सकता है। तर्क यह है कि यदि किसी करेंसी का मूल्य निश्चित (या सेमी-फिक्स्ड) है तो यह महंगाई को कम रखने में मदद करता है।

मोहाली में 3 मंजिला बिल्डिंग गिरी कई लोगों दब

चंडीगढ़। *पंजाब में मोहाली जिले के खरड़ में अचानक एक 3 मंजिला बिल्डिंग गिर गई। यह दुर्घटना सेक्टर 126 में हुई। यह शोरूम बनाया जा रहा था। यह जगह निज्झर चौक के पास है। पहले बिल्डिंग की छत गिरी, जिसके वजन से पूरी बिल्डिंग ही गिर गई।*

शुभ सूचना

सुधि पाठक गणों को नववर्ष की अनन्य शुभकामनाएं।

आज के समाचार पत्र के साथ एक निःशुल्क, सतरंगी एकल पृष्ठिय कैलेंडर लेना न भूलें।

व्यवस्थापन टीम,
इंटीग्रेटेड ट्रेड... परिवार।

मस्क के नाम एक और रिकॉर्ड

एलन मस्क नेटवर्थ में से 200 बिलियन डॉलर गंवाने वाले दुनिया के पहले व्यक्ति बने

नई दिल्ली। टेस्ला और ट्विटर के मालिक एलन मस्क अपनी नेटवर्थ में से 200 बिलियन डॉलर गंवाने वाले दुनिया के पहले व्यक्ति बन गए हैं। इस बात की जानकारी हाल ही में ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स ने दी है। जनवरी 2021 में मस्क की पर्सनल नेटवर्थ 200 बिलियन डॉलर से ज्यादा हो गई थी, तब उन्होंने अमेजन के मालिक जेफ बेजोस को भी पीछे छोड़ दिया था।

टेस्ला के शेयरों में हालिया गिरावट के बाद 51 साल के मस्क की टोटल नेटवर्थ 137 बिलियन डॉलर तक गिर गई है। 27 दिसंबर को टेस्ला के शेयरों में 11त्न की गिरावट आई थी। अपने दो सबसे लोकप्रिय मॉडलों के लिए टेस्ला अब अमेरिकी ग्राहकों को साल के अंत तक 7,500 डॉलर की छूट दे रही है। इसके शंघाई प्लांट का प्रोडक्शन भी जाहिर तौर पर कम हो गया है। इससे उन्हें नुकसान हो रहा है।

नवंबर 2021 में मस्क की नेटवर्थ 340 बिलियन डॉलर के पीक पर पहुंच गई थी। उसके बाद से एलन मस्क एक साल से ज्यादा समय तक दुनिया के सबसे अमीर आदमी बने रहे थे। हालांकि, पिछले महीने फ्रांसीसी बिजनेस टाइकून और स्त्रुश्ना के फाउंडर बर्नार्ड अरनॉल्ट ने एलन मस्क को पीछे छोड़कर दुनिया के सबसे अमीर आदमी का ताज अपने नाम कर लिया।

अक्टूबर 2021 में दुनिया के दूसरे सबसे अमीर आदमी एलन मस्क ने 44 बिलियन डॉलर में ट्विटर को खरीदा था।

PRESS
ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com
आपकी बात
आपके साथ
News that you need
True voice - ITDC News
दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़
PRESS

भारत में दस्तक दे चुका कोरोना का 'सुपर' वैरिएंट क्या है?

US-UK में मचा रहा तबाही

नई दिल्ली। चीन में कोरोना का BF.7 वैरिएंट तबाही मचा रहा है। छोटे से छोटे शहर में लाखों की संख्या में कोरोना के केस सामने आ रहे हैं। उधर, दुनिया के शक्तिशाली देशों अमेरिका और ग्रेट ब्रिटेन में ओमिक्रॉन का XBB 1.5 वैरिएंट तबाही मचा रहा है। भारत में भी इस 'सुपर' वैरिएंट की दस्तक हो चुकी है। गुजरात में इसका पहला केस सामने आया है। उधर, यूएस सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के डेटा ने पुष्टि की है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में 40% से अधिक केस XBB.1.5 वैरिएंट के हैं। ब्रिटेन में भी इस नए वैरिएंट के काफी केस सामने आ रहे हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि दुनिया इस वक्त कोरोना के सबसे अधिक संक्रामक वैरिएंट का सामना कर रही है।

कोरोना का अब तक का सबसे अधिक संक्रामक वैरिएंट नये साल से दुनिया में तबाही मचाने को तैयार है। भारत में इस वैरिएंट की दस्तक हो चुकी है। गुजरात में पहला केस मिला है। विशेषज्ञों का कहना है कि कैंसर से ग्रसित लोगों में इस बीमारी का सबसे अधिक खतरा है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि XBB 1.5 वैरिएंट कोरोना के अन्य वैरिएंट से 120 गुना ज्यादा संक्रामक है।

दुनिया के शीर्ष वायरोलॉजिस्ट्स में से एक एरिक फेगल डिंग ने XBB.1.5 को एक 'सुपर वैरिएंट' की संज्ञा दी है। XBB.1.5 वैरिएंट पूरी तरह से ओमिक्रॉन का एक रूप नहीं है। बल्कि इसमें कोरोना के डेल्टा और ओमिक्रॉन वैरिएंट का मिश्रण है। यह वैरिएंट बीए.2.10.1 और बीए.2.75 से मिलकर बना हुआ है। यह BQ.1 और XBB की तुलना में अधिक संक्रमण है। डेटा के अनुसार, XBB.1.5 BQ.1 से 120 प्रतिशत और XBB से 96 गुना अधिक संक्रामक है।

XBB 1.5 वैरिएंट ने अमेरिका और ब्रिटेन की सरकारों की नींद उड़ा दी है।

आईटीडीसी Classifieds
वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/ बेचना

होशंगाबाद मैन रोड की प्राइम लोकेशन पर 1500 sqft का, सर्वसुविधा युक्त, प्लाट (वाजिब दाम) में बेचना है, खरीदने हेतु संपर्क करें- (abhishek) 8827342224

3 बीएचके डुप्लेक्स बेचना है, रोजबुड सेंचुरी, कल्पानगर के पास BHEL का शांत वातावरण, 1000 वर्गफीट पर 1600 निर्मित, नया निर्माण, कवर्ड केम्पस, संपर्क 9479532443

बेचना: वाजिब दाम नवनिर्मित 2/3 BHK फ्लैट कवर्ड केम्पस SOS बालग्राम के पास पिपलानी, भरपूर पानी, सिक्युरिटी, सीसीटीवी, दो गार्डन संपर्क –सुबह 11 बजे से 9827056084

2400sqft (40X60) ईस्ट फेसिंग बहुत ही मोके का प्लाट संजीव नगर, नेवरी (लालघाटी) में उचित दाम पर बेचना है . संपर्क करे 6266177537

प्लाट बेचना है -1500 sqft प्लाट कोलार में कबर्ड केम्पस में मोके का प्लाट उचित दाम पर बेचना है. संपर्क करे -6266177537

1399000/- नवनिर्मित मल्टी में 2 बीएचके फ्लैट विक्रय हेतु लिफ्ट, 24 घंटे पानी, पार्किंग चोकीदार आदि सुविधाएं, कोलार की प्राइम लोकेशन राजहर्ष D मार्ट के पास के पास संपर्क 8889427734

तुरंत बेचना है सीहोर पलटन एरिया में लगभग 3200 sq feet कॉर्नर प्लाट पर लगभग 1200 sq feet में निर्मित पुराना माकन I संपर्क 9406934909.

एयरपोर्ट रोड पंचवटी कॉलोनी में नवनिर्मित 2 BHK फ्लैट बेचना है, कवर्ड केम्पस में सेपरेट पार्किंग, लिफ्ट, फाल- सीलिंग, मोड्यूलर किचिन, 24घंटे पानी, सर्वसुविधायुक्त 9827062212, 8982702122

फ्लैट बेचना है 3 BHK,1856 वर्गफीट थर्ड फ्लोर, गार्डन/ स्विमिंगपुल, फेसिंग कोरलवुड की प्राइम लोकेशन मेन होशंगाबाद रोड पर कीमत 60 लाख संपर्क 9630058868

For sale 1200/2100 Sqft Commercial Plots on 200ft Rode & 80ft @ Bagmugaliya Near Aashima mall & 968/1452 sqft @ Misrod Phase-2, BDA. Chugh Syndicate Property Pvt Ltd- 7000122016

ITDC प्रॉपर्टी/ रेन्ट पर

2 Bhk Furnished Flat in Trilanga Colony Near Aura Mall Rent 10500/- Contact – 8962643902.

रानी कमलावती (हबीबगंज) रेलवे स्टेशन के सामने ऑफिस /दुकान (200 sqft)- तुरंत किराए पर देना है –जी-18, कामधेनु टावर, भाजपा कार्यालय के पीछे, भोपाल संपर्क- 94250-14000

किराये से देना है फर्स्ट फ्लोर पर नवनिर्मित फ्लैट 2 बेडरूम, 1 हॉल, किचिन, 2 बालकनी कवर्ड केम्पस लाइफस्टाइल ब्लू, आकृति ग्रीन के सामने, सलैया संपर्क - 9926453501, किराया - 7500/-प्रति महा एवं प्रति महा 1260/- सोसाइटी मेंटेनेस

Luxury 3 BHK Singlex fully furnished in Trilanga colony Rent 23000/- Contact- 8962643902.

37 वैशाली नगर कोटरा भोपाल का प्रथम तल, तीन कमरे, हॉल किराये से देना है किराया 14000 शर्मा लॉ चेंबर पुरानी विधानसभा संपर्क – 7000035422

For Rent 2bhk fully furnished in Gulmohar Colony Rent 15000/- Contact @ 8962643902

E-3/258 अरेरा कोलोनी में ग्राउंड फ्लोर पर 2BHK, 1BHK अलग–अलग फेमिली हेतु किराये से देना है संपर्क:- 7000735468, 9425601374(कावलकर)

किराये से -3 BHK फ्लेट Lakeview प्राइम लोकेशन Kohefiza में लिफ्ट, पानी, पार्किंग, किचिन, सर्व सुविधालयुक्त, 8817437959

४BHK platinum Plaza माता मंदिर, Orange 64, 5th फ्लोट, लिफ्ट सुविधा बैंक या संपर्क करे 9893303141

MAHADEV PROPERTY CONSULTANT:WE Require 1200/2100 sqft Commerical and 1000/1200/1500/2100sq ft Residential Plot in Danishkunj Residential Plot in danishhills, 9425008779

प्रथम मंजिल पर होल करीब 2500 वर्गफीट सराफा बाजार बेरागढ़ में जिम, कोचिंग हेतु उपुक्त 9303132326, 7374498931

ITDC JOB आवश्यकता

आवश्यकता है प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान को टेलीकॉलर- 10 की संपर्क करें: प्लाट नं. 215, जोन-1, यस बैंक के पास, एम.पी.नगर, भोपाल 9425018094.

आवश्यकता है रेस्टोरेंट के लिए शेफ की, संपर्क करें:- द भोपाल कैंटीन, कस्तूरबा नगर भोपाल संपर्क 9165970007

Required UG/ Graduate Telecallers Freshers can apply, salary 10000-15000 (We Win Ltd.) Plot.no.-40, Mandakini housing society, Behind Reliance Fresh, Kolar road, -8964020001, 6265149398, 9977224829

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x **10**cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLANCE
8cms(W) x **10**cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x **10**cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

ITDC JOB आवश्यकता

full time Accountant For accounting Entries in GST, TDS, MS Excel & Tally ERP9 Only Commerce Graduates apply29 Zone-1, M.P. nagar,CA. Dewanagan 94250225993.

Asha Niketan Hospital require experienced Gynecologist Contact: 11 no. Stop, Arera Colony, 0755-2563546, 4003040

Required Marketing Executives for Hyderabad based MFG organization. Willing to travel MP mail CV to: Info@premierindustries.net

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क DK3/1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

आवश्यकता है

आवश्यकता है हाउस मेड (लड़की) शुद्ध शाकाहारी ब्राह्मण/ बनिया/ जैन/ केवट/ पटेल/ खरे, जो 24 घंटे मेरे साथ रहे घर और बच्चों के सारे काम करे, जिसे बच्चे संभालने का अनुभव, जो गुटखा तंबाकू आदि का सेवन न करती हो. राशन कार्ड, आधार कार्ड दिखाना अनिवार्य. कार्यस्थल- छतरपुर
Mobile. 8871253723

BOOK YOUR TICKET IN 60 SECONDS
AIR
TRAIN
BUS
JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

INT ADITYA BIRLA CENTRE FOR PERFORMING ARTS
ENGAGE • ENTERTAIN • EDUCATE
presents
BHAGAVAD GITA
Ancient Wisdom for Modern Times
CHAPTER 2
Profile of the Perfect Person

JAYA ROW
Starting 4th January
Every Wednesday
6.30 - 7.45 pm
Canna Studio 3rd flr
INT Aditya Birla
Centre for
Performing Arts
38 Dadi Seth Lane
Babulnath
Mumbai 400007
All are welcome

BREAKING NEWS
खबर, केवल खबर होती है
आपका अखबार है
सटीक, सच्ची, सारगर्भित,
खबर की तह तक,
ख़बरें वही,
जो आपकी जरुरत
PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

भोपाल में न्यू ईयर सेलिब्रेशन

होटल-रेस्टोरेंट में होंगी पार्टियां; विहिप-संस्कृति बचाओ मंच ने कहा-अश्लीलता न फैलाएं

भोपाल। भोपाल में कुछ घंटे बाद ही न्यू ईयर का सेलिब्रेशन शुरू हो जाएगा। साल 2022 की विदाई और नए साल 2023 को वेलकम के जश्न में हर कोई डूब जाएगा। होटल-रेस्टोरेंट में पार्टियां होंगी। इसी बीच में विश्व हिंदू परिषद और संस्कृति बचाओ मंच ने चेतावनी दी है कि होटल-रेस्टोरेंट में कोई अश्लीलता हुई तो उसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। विहिप के प्रांत प्रचार-प्रसार प्रमुख जितेंद्र चौहान ने कहा कि कैलेंडर बदलने के दिन पर लोग अपनी संस्कृति न भूले। चैत्र प्रतिपदा में हिंदू नववर्ष मनाएं। पार्टियों के नाम पर फूहड़ता-नशे की प्रवृत्ति को बढ़ावा न दें।

संस्कृति मंच की 16 टीमें घूमेंगी

संस्कृति बचाओ मंच के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने बताया कि सभी होटल-रेस्टोरेंट मालिकों को चेतावनी दी गई है। वे 31 दिसंबर अंग्रेजी नववर्ष के नाम पर कहीं भी कोई अश्लीलता ना फैलाएं। संस्कृति बचाओ मंच सभी सनातन धर्मियों से मांग करता है कि वह हिंदू नववर्ष को मनाए और अंग्रेजी नववर्ष का बहिष्कार करें। हमारे कई युवा इस दिन शराब पीकर काल के गाल में समा जाते हैं। यदि कहीं अश्लीलता हुई तो बर्दाश्त नहीं करेंगे। यह देखने के लिए 16 टीमें भी घूमेंगी।

न्यू ईयर पर कोई पाबंदी नहीं

अबकी बार न्यू ईयर सेलिब्रेशन में बंदिशें नहीं हैं। दो साल बाद बिना पाबंदी के लोग न्यू ईयर सेलिब्रेट कर सकेंगे। मौसम भी बेहतर है। दो दिन की सरकारी छुट्?टी भी है। ऐसे में लोग न्यू ईयर को खूब एंजॉय करेंगे। राजधानी भोपाल में भी नए साल का जश्न मनेगा। इसके चलते शहर के पिकनिक स्पॉटों में भीड़ रहेगी। वन विहार, शौर्य स्मारक, बोट क्लब समेत कई स्पॉट ऐसे हैं, जहां पर लोग घूमने जाएंगे। रात में कई होटल-रेस्टोरेंट में भी न्यू ईयर सेलिब्रेट होगा। इससे पहले 31 दिसंबर की रात में होटल-रेस्टोरेंट में पार्टियों का दौर चलेगा। इसे लेकर शनिवार को पूरे दिन तैयारियां होती रही।

नए साल पर शुरू होगी श्रीमद्भागवत कथा

शहर के कान्हाकुंज फेस-2 स्थित जगदंबे मंदिर में नए साल के पहले दिन से श्रीमद्भावत कथा शुरू होगी। रविवार को सुबह 9 बजे कलश यात्रा प्रारंभ होगी, जो पीपुल्स हॉस्पिटल शिव मंदिर से शुरू होकर जगदंबा मंदिर में पहुंचेंगी। 1 से 7 जनवरी तक हर रोज दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक श्रीमद्भागवत कथा होगी। आचार्य देव शांडिल्य कथा सुनाएंगे। अंतिम दिन

धार्मिक आयोजन भी होंगे

नए साल पर भोपाल में कई धार्मिक आयोजन होंगे। साहू समाज के भडरिया परिवार संगीतमय भजन संध्या का आयोजन करेगा। आयोजक उमेश साहू, विवेक साहू ने बताया कि खाटू श्याम के संगीतमय भजनों की संध्या के साथ भंडारा भी होगा। शाम 5.15 बजे से साहू समाज मंदिर घोड़ा नक्कास में आयोजन होगा। इसमें जयपुर की प्रसिद्ध गायिका सुरभि चतुर्वेदी, ग्वालियर की वैष्णवी शर्मा और भोपाल के विपिन चौबे भजनों की प्रस्तुति देंगे।

नए साल में ट्रैफिक पुलिस ने लगाए 50 चेकिंग प्वाइंट, 40 ब्रीथ एनालाइजर से होगी वाहन चालकों की चेकिंग

नव वर्ष पर थाना पुलिस और ट्रैफिक पुलिस अपनी तैयारियां पूरी कर ली है। शराब या किसी प्रकार का नशा कर वाहन चलाया तो हो सकता है कि आपका नए साल का पहला दिन पुलिस हवालात में गुजरे। ट्रैफिक पुलिस करीब 50 स्थानों पर 40 ब्रीथ एनालाइजर के साथ दो और चार पहिया वाहन चालकों की वाहन रोककर चेकिंग करेगी। किसी भी तरह का स्टंट या होटल के बाहर गलत तरीके से वाहन खड़े किए तो उनको जब्त किए जाएगे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नए साल का जश्न बनाए, लेकिन शराब पीकर वाहन न चलाए और आम लोगों के लिए किसी प्रकार की परेशानी खड़ी नहीं करें। जानकारी के मुताबिक 31 दिसंबर की रात 11 बजे से पुलिस सड़कों पर उतरेगी और 1 जनवरी के रात एक बजे तक तीस ऐसे स्थानों पर चेकिंग प्वाइंट लगाएगी। जहां से वाहन चालकों को आवागमन अधिक रहता है। इसमें हमीदिया रोड, काजीकैंप, रोशनपुरा चौराहा, बोर्ड आफिस, पुलिस कंट्रोल रूम, राजभवन तिराहा, अरेरा कालोनी, हबीबगंज और शाहपुरा में पुलिस के चेकिंग प्वाइंट लगाए जाएगे। जहां ट्रैफिक वाहन चालक को रोककर उनको ब्रीथ एएनालाइजर से चेक किया जाएगा। अगर शराब पीकर वाहन चलाने की पुष्टि होने पर वाहन जब्त कर चालक पर केस दर्ज किया जाएगा। उसे दूसरे दिन अपना वाहन कोर्ट से चालानी कार्रवाई राशि जमा करने के बाद ही मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

सात साल की बच्ची से 23 वर्षीय युवक ने किया दुष्कर्म

भोपाल। राजधानी के निशातपुरा में एक सात वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। 23 साल के आरोपित भगवत विश्वकर्मा ने अपने नए मोबाइल पर फिल्म दिखाने के बहाने से उसे एक पुरानी धर्मशाला की छत पर ले जाकर उसके साथ इस घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। टीआइ निशातपुरा रूपेश दुबे के मुताबिक भानपुर इलाके में पीड़ित बच्ची अपने स्वजनों के साथ रहती है। उसके पिता एक निर्माणाधीन बिल्डिंग में काम करते हैं। आरोपित भगवत विश्वकर्मा भी उनके घर के पास रहता है।बच्ची शुक्रवार शाम को करीब छह बजे अपने घर के पास खेल रही थी। तभी आरोपित भगवत विश्वकर्मा उसके पास आया और बोला कि देख उसने नया मोबाइल खरीदा है और उसके मोबाइल इंटरनेट मीडिया के टीवी के साथ नई फिल्में भी आती है। बच्ची ने उसे मोबाइल दिखाने की जिद्द की तो आरोपित ने उससे कहा कि वह उसके साथ चले और आराम से वह उसे मोबाइल पर फिल्में दिखाएगां वह उसे लेकर पास की धर्मशाला की छत पर ले गया। जहां पर आरोपित ने उसके साथ अश्लील हरकत कर कपड़े उतार उसके साथ हरकत की, उसी दौरान बच्ची के साथ खेलने वाले बच्चे उसे ढूंढते हुए धर्मशाला की छत पर पहुंच गए। बाकी बच्चों को देखकर आरोपित मौके से भाग निकला।

रेत कारोबारी ने साझेदार के साढ़े छह लाख रूपये हड़पे, जेल जाते समय दे गया था एटीएम

भोपाल। परवलिया पुलिस ने रेत कारोबारी पर धोखाधड़ी की धाराओं में एफआइआर दर्ज की है। उन पर आरोप है कि उन्होंने रेत के दूसरे व्यापारी और साझेदार के साढ़े छह लाख रूपये उनके बैंक खाते से एक माह में एटीएम की मदद से निकाल लिए। फरियादी जालसाजी के मामले में जेल जाते समय अपना एटीएम और मोबाइल आरोपित को दे गया था। इसका फायदा उठाया और रकम निकाली। पुलिस ने जल्द ही आरोपित को गिरफ्तार करेगी। परवलिया थाने के एएसआइ हेमंत सिंह के मुताबिक होशंगाबाद रोड निवासी 38 वर्षीय अर्पित शुक्ला रेत कारोबारी है, उनके रेत के डंपर भी चलते हैं।उनके दोस्त विश्वप्रताप सिंह भी उनके साथ रेत का व्यापार करता है।दो माह पहले एक जालसाजी के मामले में अर्पित शुक्ला पर परवलिया पुलिस ने धोखाधड़ी की धाराओं में एफआइआर दर्ज कर उनको गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।गिरफ्तारी के समय उनका दोस्त और रेत कारोबारी विश्वप्रताप सिंह उनके साथ मौजूद था।

सड़क पर करते समय सिक्युरिटी गार्ड को बाइक सवार ने मारी टक्कर, मौत

भोपाल। शाहपुरा इलाके में 50 वर्षीय सिक्युरिटी गार्ड धनीराम झरिया को एक बाइक सवार ने टक्कर मार दी।उनको अस्पताल ले जाया गया। जहां उनकी मौत हो गई। हादसे के समय वह सड़क पार कर रहे थे। हादसे में उनके सिर और छाती में गंभीर चोट लगी थी। पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ एफआइआर दर्ज कर उसकी तलाश तेज कर दी है। शाहपुरा थाने के एएसआइ मुंशीराम धाकड़ के मुताबिक नूतन कालेज के पीछे रहने वाला धनीराम झारिया निजी कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था।शुक्रवार को साढ़े पांच बजे वह रोहित नगर में महिंद्रा पेट्रोल पंप के सामने सड़क पार कर दूसरे तरफ जा रहा था। उसी समय एक बाइक सवार तेजी से आया और धनीराम को बाइक से टक्कर मार दी। इसे वह सड़क पर गिर गए। गिरने से उसके सिर, पैर और छाती में गंभीर चोट लगी। लोगों ने उसे एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया। जहां पर डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए हमीदिया अस्पतात भिजवाया। जहां पर शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने मामले में बाइक के नंबर पर आधार चालक पर केस दर्ज कर लिया है। चालक की तलाश की जा रही है।पुलिस का कहना है कि बाइक आरटीओ में रजिस्ट्रर्ड है, उस पर कोलार के हिनौतिया आलम का पता है। बाइक का मालिक लक्ष्मी नारायण है। उसकी गिरफ्तारी की कोशिश जारी है।

शताब्दी एक्सप्रेस से यात्रा के दौरान नहीं मिला नाश्ता व भोजन, रेलवे पर 10 हजार रुपये का हर्जाना

भोपाल। एक पुरुष यात्री ने शताब्दी एक्सप्रेस से ई-कोच में ग्वालियर से भोपाल के लिए सीट आरक्षित कराया था। यात्री से टिकट में ही नाश्ता व भोजन के लिए राशि ले ली गई, लेकिन रेलवे ने उन्हें कुछ भी चाय-नाश्ता या पानी कुछ भी उपलब्ध नहीं कराया। इसकी शिकायत यात्री ने रेल प्रशासन की, लेकिन उन्हें कुछ भी उपलब्ध नहीं कराया गया, जबकि उनके कोच में बैठे अन्य यात्रियों को नाश्ता व भोजन उपलब्ध कराया गया। इसके बाद यात्री ने जिला उपभोक्ता आयोग में याचिका दायर की। आयोग ने सात साल बाद शुक्रवार को यात्री के पक्ष में निर्णय सुनाते हुए रेलवे को जिम्मेदार ठहराया और यात्री को मानसिक क्षतिपूर्ति के लिए 10 हजार रुपये देने का आदेश दिया।

यह था मामला

राजधानी स्थित लोहिया सदन निवासी रघु ठाकुर ने जबलपुर रेलवे के जनरल मैनेजर, डीआरएम भोपाल, महाप्रबंधक उत्तर रेलवे के खिलाफ 2016 में याचिका लगाई थी।शिकायत में लिखा था कि एक अप्रैल 2015 को शताब्दी एक्सप्रेस से एक्जीक्यूटिव क्लास की यात्रा के लिए सीट आरक्षण कराया था। रेलवे की ओर से नाश्ता, भोजन व पानी उपलब्ध कराया जाना था, क्योंकि इसके लिए टिकट के साथ राशि ली गई थी, लेकिन कुछ भी नहीं दिया गया। जब उपभोक्ता ने कोच अटेंडेंट से नाश्ते की मांग की तो उसने बताया कि चाय व नाश्ता उपलब्ध कराने का समय खत्म हो चुका है। अटेंडेंट द्वारा उसी कोच में बैठे हुए अन्य व्यक्तियों को चाय व नाश्ता उपलब्ध कराया गया, जिसके संबंध में उससे पूछे जाने पर बताया गया कि मंत्री हैं, इसलिए नाश्ता उपलब्ध कराया जा रहा है।भोपाल पहुंचने के बाद भी उपभोक्ता को चाय व नाश्ता उपलब्ध नहीं कराया गया।

आयोग ने रेलवे को लगाई फटकार

रेलवे ने अपने तर्क में लिखा है कि रेलवे ने किसी यात्री से चाय व नाश्ता के लिए कितनी राशि ली है और कब और कहां लंच व डिनर देना है। यह नीतिगत मामला है। इसका निराकरण का क्षेत्राधिकार उपभोक्ता आयोग को नहीं है। इस तर्क के बाद आयोग ने रेलवे को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि उपभोक्ता को यात्रा के दौरान राशि लेने के बाद खान-पान की व्यवस्था उपलब्ध न कराकर सेवा में कमी की है। मामले में आयोग के अध्यक्ष योगेश दत्त शुक्ल, सदस्य सुनील श्रीवास्तव व प्रतिभा पांडेय की बेंच ने निर्णय सुनाया।रेलवे को निर्देश दिए कि दो माह के अंदर सेवा में कमी के लिए पांच हजार रुपये, मानसिक क्षतिपूर्ति के लिए तीन हजार और वाद व्यय के लिए दो हजार रुपये देने का आदेश दिया।

केंद्र सरकार से कोविशील्ड वैक्सीन के पांच लाख डोज मिलेंगे

SII
COVISHIELD

भोपाल। मध्य प्रदेश के लिए अच्छी खबर है। कोरोनारोधी कोविशील्ड वैक्सीन के पांच लाख डोज केंद्र से प्रदेश को मिलेंगे। राज्य टीकाकरण अधिकारी डा.संतोष शुक्ला ने बताया कि पांच जनवरी के बाद टीका आ जाएगा। बता दें कि कोरोना वायरस के नए सब वैरिएंट बीएफ-7 की वजह से चीन समेत कई देशों में कोरोना के मामले बढ़ने के बाद प्रदेश में सतर्कता डोज लगवाने के लिए लोग परेशान हो रहे हैं। इक्का-दुक्का लोग पहली और दूसरी डोज लगवाने के लिए भी आ रहे हैं। राज्य में 80 प्रतिशत लोगों को कोविशील्ड वैक्सीन लगी है, लेकिन डेढ़ महीने से प्रदेश में यह वैक्सीन उपलब्ध नहीं होने के कारण सतर्कता डोज नहीं लग पा रही है। भोपाल में सिर्फ चिरायु मेडिकल कालेज में सशुल्क यह वैक्सीन लगाई जा रही है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 18 वर्ष से ऊपर के 98.5 प्रतिशत लोगों को दोनों डोज लग चुकी हैं, पर सतर्कता डोज सिर्फ 25 प्रतिशत ने ही लगवाई है।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने नये साल पर भोपाल वासियों को दी नई सौगात

सुभाष नगर में 10 करोड़ की लागत से बनेगा 100 बिस्तरीय बहुमंजिला सिविल अस्पताल

भोपाल। चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग की पहल पर नये साल में शहरवासियों को एक और सिविल अस्पताल की सौगात मिलने जा रही है। नरेला विधानसभा के सुभाष नगर में 10 करोड़ रूपये की लागत से 100 बिस्तरीय बहुमंजिला सिविल अस्पताल बनने जा रहा है। इस संबंध में शनिवार को सुभाष नगर में जोन 12 कार्यालय के समीप चिन्हिंत सिविल अस्पताल की भूमि का निरीक्षण किया।

मंत्री श्री सारंग ने मीडिया से संवाद करते हुए बताया कि राज्य सरकार निरंतर स्वास्थ्य और शिक्षा को लेकर कार्य कर रही है। नरेला विधानसभा में करोंद एवं अशोका गार्डन क्षेत्र में अस्पतालों की सौगात क्षेत्रवासियों को मिली है। एक एकड़ की भूमि पर बनने जा रहे 100 बिस्तरीय सिविल अस्पताल के प्रथम चरण में लगभग एक माह के भीतर ही 20 बिस्तरों के साथ अस्पताल का संचालन पूर्व निर्मित भवनों से किया जायेगा। इस सिविल अस्पताल के निर्माण के पूर्ण होने में लगभग 1 वर्ष का समय लगेगा। उन्होंने कहा कि सुभाष नगर में 10 करोड़ रूपये की लागत से बनने जा रहे सिविल अस्पताल से नरेला विधानसभा सहित आसपास के नागिरकों को अब भर्ती सहित उपचार की अन्य सुविधाओं का भी लाभ मिलेगा। इस 100 बिस्तरीय अस्पताल में सभी प्रकार की आधुनिकतम जाँचों की सुविधा के साथ ही विशेषज्ञ चिकित्सकों की व्यवस्था होगी। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि नरेला विधानसभा में हर स्तर पर मूलभूत सुविधाओं की वृद्धि के लिये योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्य किये जा रहे हैं। हर घर नर्मदा जल, पक्की सड़कों के जाल के साथ ही नरेला विधानसभा का खुद का ड्रेनेज सिस्टम है।

बेटे को नौकरी दिलाने की चाह में अधिकारी की नौकरी चली गई

भोपाल। बेटे को नौकरी दिलाने की चाह में शहडोल संभाग के एक संयुक्त संचालक को नौकरी से हाथ धोना पड़ गया। मकबूल खान ने पांच जुलाई 2019 से पांच दिसंबर 2021 तक तत्कालीन संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास संभाग शहडोल एवं अध्यक्ष जिला चयन समिति की हैसियत से षडयंत्रपूर्वक चार निकायों में तीन संविदा कर्मियों एवं 246 मानदेय कर्मियों का नियम विरूद्ध संविलियन कराया था। इससे माह नवंबर 2021 तक शासन को लगभग तीन करोड़ बीस लाख रूपये की आर्थिक क्षति हुई है। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास ने मकबूल खान के प्रकरण में 20 दिसंबर 2022 को सुनवाई की थी। सुनवाई के दौरान मकबूल खान पर आरोप सिद्ध हुए। जिसके चलते मकबूल खान को बर्खास्त कर दिया है। साथ ही आर्थिक क्षति की वसूली करने के आदेश दिए गए हैं। नगरीय प्रशासन एंव विकास संभाग शहडोल में पदस्थ रहते तत्कालीन संयुक्त संचालक मकबूल खान ने नगर परिषद बकहो में एक संविदा कर्मी एवं 50 मानदेय कर्मियों का नियमित पदों पर एवं दो मानदेय कर्मियों का दैनिक वेतन पर संविलियन करने का निर्णय लिया था।

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज़
Shri Parisar, 23 WEST Nishatpura, DIG Bungalow, Bhopal-462100 MP INDIA.
Welcome No 9575 220022 EM: itdcnewsmp@gmail.com W: www.itdcnews.com
ITDC 5-e's theme
1 evolution
2 environment
3 economics
4 employment
5 education
PRESS
Call @ ITDC welcome No. +91 9575 220022

आज से मप्र में शीत लहर चलने की संभावना

तापमान में आएगी गिरावट

भोपाल। उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों में हो रही भारी बर्फबारी का असर मध्य प्रदेश में पड़ने लगा है। शुक्रवार शाम को चली हवाओं का रुख उत्तरी होने के कारण रात में मौसम में ठिठुरन बढ़ गई है। मौसम विभाग ने शनिवार से प्रदेश में शीत लहर चलने की बात कही है। इससे तापमान में आज काफी गिरावट आएगी। मध्य प्रदेश के लिए रविवार को नये साल का शुरूआत अब कड़ाके की ठंड के साथ होना है।

भोपाल मौसम केन्द्र के मुताबिक, पिछले 24 घंटों के दौरान मध्य प्रदेश के सभी जिलों का मौसम मुख्यत- शुष्क रहा। न्यूनतम तापमान में रीवा, शहडोल और जबलपुर संभाग के जिलों में विशेष परिवर्तन नहीं हुआ। शेष सभी संभागों में न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिली। इंदौर, भोपाल, उज्जैन और ग्वालियर संभाग में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक एवं शेष संभागों में सामान्य रहा। शनिवार को प्रदेश में सबसे कम 6.4 डिग्री सेल्सियस तापमान नौगांव में दर्ज किया गया। जबकि भोपाल में 11.8, इंदौर में 14 और ग्वालियर में 8.5 डिग्री तापमान रहा है।

मौसम विभाग के मुताबिक, शुक्रवार शाम प्रदेश में सर्द हवाएं चलना शुरू हो गई हैं। इसके असर से रात में ठिठुरन बढ़ गई है। मौसम विज्ञानियों का मानना है कि शनिवार को प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में शीत लहर का असर देखने को मिल सकता है। भोपाल मौसम केन्द्र के अधिकारियों की मानें तो ट्रफ के रूप में आया पश्चिमी विक्षोभ शुक्रवार को हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात के रूप में परिवर्तित हो गया है। जिससे शुक्रवार शाम से फिर उत्तरी हवा चलने लगी है। शनिवार को पश्चिमी विक्षोभ भी उत्तर भारत से आगे बढ़ जाएगा। उधर, दो दिन में उत्तर भारत के पहाड़ों पर जबरदस्त बर्फबारी हुई है। शनिवार रात से मैदानी क्षेत्रों की तरफ चलने वाली बर्फीली हवाओं के असर से पूरे मध्य प्रदेश में ठिठुरन बढ़ने लगी है। रविवार से कई शहरों में शीतलहर भी चल सकती है।

संपादकीय

अथ कथा रामसेतु

भारत और श्रीलंका के बीच 'रामसेतु' नाम से लोकप्रिय एक प्राकृतिक संरचना है। इसे लेकर राजनीति भी किए जाने की पुरानी और हालिया चर्चा है। रामसेतु के मामले में इसी संसदीय सत्र के दौरान सरकार ने बयान दिया था कि इसका कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं मिला है। भाजपा कांग्रेस को घेरने के लिए कहती रही है कि रामसेतु भगवान श्रीराम ने लंका जाने के लिए निर्मित कराया था। कांग्रेस के कपिल सिब्बल ने सालों पहले कहा था कि रामसेतु का कोई वैज्ञानिक वजन नहीं है, प्रमाण नहीं है कि इसे बनाया गया था। यह बात राममंदिर के निर्माण को लेकर की जा रही भाजपाई राजनीति का एक ऐसा अंश साबित हो गया जो भाजपा की कलई खोलता है। प्रसंगवश तुलसीदास जी याद आ रहे हैं। उन्होंने समुद्र से श्रीलंका जाने के लिए रास्ता मांगा था। समुद्र ने रास्ता नहीं दिया तो कहा-

'विनय न मानत जलधि जड़, गये तीन दिन बीत।
बोले राम सकोप तब, भय बिन होय न प्रीत'।।

रामसेतु मुद्दा एक बड़े विवाद में फंस गया जब यूपीए सरकार के दौरान रामसेतु परियोजना को हरी झंडी दिखाकर सेतु के चारों ओर ड्रेजिंग करने का प्रस्ताव दिया गया, जिसमें दक्षिणपंथी निकायों और तत्कालीन विपक्षी भाजपा ने इसे हिन्दू भावनाओं पर हमला बताया। रामसेतु पर विभिन्न अध्ययनों का प्रस्ताव किया गया है। सबसे हाल ही में 2021 में जब सरकार ने इसकी उत्पत्ति का पता लगाने के लिए पानी के नीचे एक अनुसंधान परियोजना को मंजूरी दी थी। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद को कई प्रस्ताव भेजे गए थे। हालांकि, यह पहली बार है कि प्रस्ताव को स्वीकार किया गया है और अभियान को बोर्ड से पर्याप्त फंड मिला है। परियोजना का उद्देश्य यह पता लगाना है कि रामसेतु मानव निर्मित है या नहीं जिससे लंबे समय से चली आ रही पौराणिक बहस हल हो जाएगी। अक्षय कुमार की नई फिल्म रामसेतु का टीजर 26 सितंबर को रिलीज हुआ था। जिसने एक बार फिर से भारत के दक्षिण पूर्वी तट पर बने रामसेतु की चर्चा शुरू कर दी। रामसेतु, जिसे एडम ब्रिज के नाम से जाना जाता है, भारत के दक्षिण-पूर्वी तट पर रामेश्वरम और श्रीलंका के उत्तर-दक्षिणी तट के पास मन्नार द्वीप के बीच चूना पत्थर की 48 किलोमीटर की रेंज है। इस ब्रिज की खास बात ये है कि हिन्दू और मुस्लिम दोनों धर्मों की पौराणिक कथाओं में इस सेतु का जिक्र किया गया है। जहां एक तरफ हिन्दुओं का मानना है कि यह भगवान राम और उनकी सेना द्वारा लंका पार करने और रावण से लड़ने के लिए बनाया गया पुल (सेतु) है, वहीं इस्लामिक कथाओं के अनुसार एडम ने इस पुल का उपयोग आदम की चोटी तक पहुंचने के लिए किया था, जहां वह एक पैर पर 1,000 वर्षों तक पश्चाताप में खड़ा रहा।

रूसी नेता की रहस्यमय मौत

आदित्य चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

ओडिशा के होटल में रूसी कारोबारी और राजनेता पावेल एंटोव और उनके मित्र व्लादिमीर बुडानोव की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत पर हड़कम्प मचा हुआ है लेकिन दोनों की मौत पर सवाल भी उठ रहे हैं। यह पिछले 6 महीनों में रूसी धनकुबेरों की हो रही संदिग्ध परिस्थितियों में मौतों के सिलसिले में नई मौतें हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि यह मौतें भारत में हुई हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के शुरू होने के बाद 3 जून को पहली बार किसी रूसी कारोबारी की मौत हुई थी, जिसे सामान्य मौत नहीं कहा जा सकता, लेकिन जांच में हत्या के कोई सबूत नहीं मिल पाए थे। तब से अब तक मौतों की संख्या 21 हो चुकी है। इनमें से कई व्यवसाइयों ने यूक्रेन पर रूसी हमले की कड़ी आलोचना की थी। मारे गए सभी व्यवसाइयों का संबंध या तो तेल और गैस कम्पनियों से था या फिर वे रूस की आंतरिक राजनीति में सक्रिय थे। पावेल एंटोव भी रूसी सांसद थे। वह अपना जन्मदिन का जश्न मनाने भारत आए हुए थे। उनकी छत से गिरने से मौत हुई। जबकि दो दिन पहले उनके मित्र होटल के कमरे में मृत मिले थे। यद्यपि रूसी दूतावास का कहना है कि दोनों की मौत से अभी तक कोई आपराधिक कड़ी नहीं जुड़ी है, लेकिन इन मौतों से संदेह काफी गहरा गया है। रूसी सांसद पावेल एंटोव रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन के कट्टर आलोचक थे। अब घटना से यह एंगल जुड़ जाने के बाद संदेह और भी गहरा गया है। रूस ने जब यूक्रेन पर हमला किया तो एंटोव ने इसे पुतिन का आतंक बताया था। हालांकि पुलिस अधिकारी इस मौत को आत्महत्या का मामला बता रहे है। कहा जाता है कि एंटोव अपने दोस्त की मौत के बाद तनाव में थे।

यूक्रेन पर हमला करके दुनिया को डराने वाले पुतिन के राजनीतिक इतिहास पर गौर करें तो उन्होंने पिछले दो दशकों में एक-एक करके अपने सभी विरोधियों को ठिकाने लगा दिया। जोसफ स्टालिन के बाद देश पर सबसे लम्बे समय तक रूस पर राज करने का रास्ता भी उन्होंने तलाश लिया है। विपक्ष को खत्म करने के लिए पुतिन ने हर वो तरीका अपनाया जो किसी समय में जर्मन के तानाशाह हिटलर ने अपनाया था। वर्ष 2018 में पुतिन चौथी बार इस पद पर चुने गए थे। उनका कार्यकाल 2024 तक है। पुतिन की छवि अपने विरोधियों को निपटाने वाले एक सख्त शासक की है। उन्हें 2014 में पड़ोसी देश यूक्रेन के हिस्से वाले क्रीमिया पर कब्जा करने से पूरी दुनिया रोक नहीं पाई थी। पश्चिमी देशों की पाबंदियों के बावजूद रूस कमजोर नहीं हुआ। पुतिन ने अपने हिम्मत विरोधियों को लगातार निपटाया है।

पिछले राष्ट्रपति चुनाव के दौरान विपक्षी नेता एलेक्सी नवेलनी नवलनी ने पुतिन के करीबी दिमित्री मेदवेदेव की आकूत स?म्पत्ति का खुलासा किया था, इसके चलते नवलनी रूसी युवाओं में खासे पसंद भी किए जा रहे थे, लेकिन एक पुराने मामले में दोषी ठहरा दिए गए और राष्ट्रपति पद के लिए उनकी उम्मीदवारी पर प्रतिबंध लगा दिया गया। आरोप है कि रूसी राजनीति से ठिकाने लगाने के लिए अगस्त 2019 में साइबेरिया से मास्को लौटते हुए नवलनी को विमान में चाय में मिलाकर खतरनाक जहर दिया गया। इसको पीते ही उनकी तबियत खराब होने लगी और वो अचानक बेहोश हो गए। इसके बाद उन्हें वहीं के एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। 17 जनवरी, 2021 को जर्मनी से इलाज कराकर मास्को लौटे एलेक्सेई नवलनी को रूसी सरकार ने पैरोल नियमों का उल्लंघन करने के मामले में जेल में डाल दिया, वे तब से जेल में ही हैं।

इससे पहले साल 2015 में पुतिन के कट्टर विरोधी और रूस के पूर्व उपप्रधानमंत्री बोरिस नेमत्सोव की भी मॉस्को में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बोरिस का मानना था कि क्रीमिया का विलय पुतिन का एकतरफा फैसला था, जो पुतिन ने निजी स्वार्थ में लिया, वो इसे लेकर कुछ खुलासा करने वाले थे, लेकिन उससे पहले ही उनकी हत्या कर दी गई। रूस में विपक्ष नाममात्र का ही है, तो मीडिया पर पुतिन की जबरदस्त पकड़ है। कहते हैं कि रूस में वही खबरें दिखाई जाती हैं, जो पुतिन के फैसलों का समर्थन करती हैं और उनके पक्ष में प्रोपेगेंडा चलाती हैं।

जहां तक पावेल एंटोव का सवाल है पुतिन की आलोचना करने पर वह अपने ही देश में घिर गए थे और बढ़ते राजनीतिक दबाव के बीच उन्होंने अपना बयान वापिस लेते हुए माफी भी मांगी थी। उन्हें यह कहना पड़ा था कि वे हमेशा से ही पुतिन का समर्थन करते हैं और देश के सैन्य लक्ष्यों के साथ खड़े हैं। 2019 में फोर्ब्स रूस ने एंटोव को सबसे धनी सांसद घोषित किया था और उनकी वार्षिक आय 130 मिलियन पाउंड बताई गई थी। एंटोव कम्पनियों के व्लादिमीर मानक समूह के संस्थापक थे जो कुछ वर्षों में बहुत बड़ा उद्योग समूह बन गया था। पुलिस अब सभी कोणों से जांच कर रही है कि क्या उनकी मौत आत्महत्या थी या वह गलती से छत से गिर गए थे। वैसे पुतिन विरोधियों की मौत के कारणों का सच हमेशा दफन ही रहता है, लेकिन भारत में हुई रूसी व्यापारियों की मौत का सच तो तलाश किया ही जाना चाहिए।

कांग्रेस के लिए कई मायनों में बेहद उतार-चढ़ाव वाला साल रहा 2022

गौतम मोरारका

देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के लिए साल 2022 काफी उतार चढ़ाव वाला रहा। साल की शुरूआत में हुए पांच राज्यों के चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस ने लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ का नारा देकर प्रियंका गांधी को मैदान में उतारा लेकिन इस नारे की पोस्टर गर्ल ही भाजपा में चली गयीं। कांग्रेस ने ना सिर्फ उत्तर प्रदेश में निराशाजनक प्रदर्शन किया बल्कि ऐन चुनावों के समय जिस तरह पार्टी के बड़े नेता जितिन प्रसाद, आरपीएन सिंह आदि भाजपा में गये, उससे यह भी संदेश गया कि कांग्रेस खुद को एकजुट रखने में नाकाम सिद्ध हो रही है। खास बात यह रही कि उत्तर प्रदेश के अमेठी से 15 साल सांसद रहे राहुल गांधी ने विधानसभा चुनावों में बमुश्किल ही पार्टी के लिए प्रचार किया।

उत्तराखण्ड का जबसे गठन हुआ है तबसे वहां एक बार भाजपा और एक बार कांग्रेस का शासन आता रहा है लेकिन इस बार यह रिवाज बदल गया और हरीश रावत के नेतृत्व में चुनाव लड़ रही कांग्रेस गुटबाजी की ऐसी शिकार हुई कि सत्ता हासिल करने का उसका सपना चकनाचूर हो गया। ऐसा नहीं है कि भाजपा के खिलाफ नाराजगी नहीं थी, लेकिन कांग्रेस के नेता आपस में ही भिड़े रहे और भाजपा की कमजोरियों का लाभ नहीं उठा पाये जिससे भगवा दल एक बार फिर सत्ता में आने में कामयाब हो गया। पंजाब में कांग्रेस को आपसी लड़ाई और बार-बार प्रयोग करने की आदत ले डूबी। कैप्टन अमरिंदर सिंह को हटा कर चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाकर कांग्रेस ने दलितों को रिझाने का जो दांव चला था वह ना तो पंजाब और ना ही यूपी में काम आया। चन्नी को काम करने के लिए मात्र 6 महीने का समय मिला था जोकि काफी कम था। उस पर से नवजोत सिंह सिद्धू जिस तरह बयानबाजी कर रहे थे उसके चलते कांग्रेस की नैय्या पूरी तरह डूब गयी। मणिपुर और गोवा में भी कांग्रेस की अंदरूनी लड़ाई पार्टी को ले डूबी। गोवा में तो कांग्रेस के इतने निराशाजनक प्रदर्शन की कल्पना राजनीतिक विश्लेषकों ने भी नहीं की थी। इसके बाद कांग्रेस में राजस्थान की सत्ता को लेकर जो संघर्ष तेज हुआ, वह तमाम प्रयासों के बावजूद शांत नहीं हुआ है। महाराष्ट्र में भी उद्धव सरकार गिरने के कारण कांग्रेस के हाथ से एक और राज्य की सत्ता में भागीदारी छिन गयी। यही नहीं, दिल्ली नगर निगम चुनावों में भी कांग्रेस का बेहद निराशाजनक प्रदर्शन रहा। कांग्रेस ने उदयपुर में चिंतन शिविर के माध्यम से जो लक्ष्य तय किये थे वह हासिल होते हैं या नहीं यह तो आने वाला समय ही बतायेगा, साल 2022 कांग्रेस के इतिहास में इसलिए याद रखा जायेगा कि दशकों बाद पार्टी अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराया गया जिसमें लंबे समय बाद गांधी परिवार से बाहर का कोई व्यक्ति अध्यक्ष बनने में कामयाब रहा। गांधी परिवार संगठन चुनावों से दूर रहा माना गया कि मल्लिकार्जुन खड़गे को गांधी परिवार का समर्थन प्राप्त है। शशि थरूर ने गाहे बगाहे संकेतों में यह बात कही भी थी। साल का अंत आते-आते गुजरात और हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव कांग्रेस के लिए मिले जुले संदेश लेकर आये। गुजरात में जहां कांग्रेस को राज्य की स्थापना के बाद से अब तक की सबसे बुरी हार का सामना करना पड़ा वहीं हिमाचल में एक बार भाजपा और एक बार कांग्रेस सरकार का रिवाज होने के कारण इस बार कांग्रेस की सरकार बन गयी। कांग्रेस के लिए यह साल इस मायने में भी महत्वपूर्ण रहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा कांग्रेस संगठन में नई जान फूंकने में कामयाब रही और इससे राहुल की अगंभीर राजनेता की छवि में भी सुधार हुआ।

भारत से रिश्ते अच्छे ही रखना चाहेंगे प्रचंड

संजय कुमार भारद्वाज

2022 में हुए चुनाव नेपाल को किस दिशा में ले जाएंगे, यह महत्वपूर्ण मुद्दा है। चुनाव के लिए जैसा गठबंधन बना था, उसके हिसाब से अगर सरकार गठित होती तो खास असमंजस न होता, क्योंकि वह गठबंधन 2021 से सत्ता में था और उसके घटक दलों में आपसी समझ बन चुकी थी। लेकिन पहले पीएम बनने के सवाल पर माओइस्ट सेंटर के पुष्प कमल दहाल प्रचंड ने इस चुनाव पूर्व गठबंधन को तोड़कर उन्हीं केपी ओली की पार्टी के साथ गठबंधन कर लिया, जिससे वह 2021 में अलग हुए थे। इस नए गठबंधन को 14 सीटों वाली राजशाही समर्थक राष्ट्रीय प्रजातांत्रिक पार्टी भी समर्थन दे रही है। 20 सीटें जीतकर राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी नाम से जो नई पार्टी आई है, उसने भी प्रचंड को समर्थन दिया। पहले की सरकार में होम मिनिस्टर रहे संदीप लामिछाने ने यह पार्टी बनाई है। इसके अलावा जो छोटे दल समर्थन कर रहे हैं, उनमें नागरिक उन्मुक्त पार्टी, जनमत पार्टी और जनता समाजवादी पार्टी है। नतीजा यह कि जहां बहुमत के लिए 138 सीटें चाहिए, वहां प्रचंड को 170 सदस्यों का समर्थन मिल चुका है।

अभी प्रचंड भारत और पश्चिमी देशों के साथ एक बैलेंस बनाकर रखेंगे और चीन की वह बहुत ज्यादा नहीं सुनेंगे, क्योंकि उनके पास बारगेनिंग का ऑप्शन है। अगर ओली दबाव बनाते हैं तो उन्हें नेपाली कांग्रेस का समर्थन मिलने का पूरा चांस है।

भारत संग कैसे रिश्ते रखेंगे प्रचंड?

आपसी मतभेद: ऐसा क्यों हुआ, इसे समझने के लिए नेपाली कांग्रेस में चल रहे अंदरूनी मतभेदों पर नजर डालनी होगी।

लामिछाने का अपना एक झुकाव था, इसके अलावा गगन थापा भी उनसे बहुत ज्यादा कंफर्टेबल नहीं थे। देउबा भी अपने फैमिली मेंबर्स को पावर देने की ज्यादा जुगत में थे। गगन थापा को विकल्प के रूप में देखा जा रहा था और कहते हैं कि उनको यूएस और यूके का भी समर्थन हासिल था। लेकिन देउबा नहीं मान रहे थे। आंतरिक फूट के चलते ही नेपाली कांग्रेस 89 सीटों पर सिमट गई।

चीनी राजदूत की भूमिका = अब सवाल आता है कि नेपाल में चीन की क्या भूमिका है? चीन निश्चित रूप से केपी ओली की सरकार का समर्थन कर रहा था। 2018 से 2021 तक ओली सरकार ने चीन से कई महत्वपूर्ण समझौते किए। 9 एमओयू हुए, जिनमें पोखरा पोर्ट का डिवेलपमेंट का था, रेलवे कनेक्टिविटी के कई प्रॉजेक्ट थे। फिर केपी ओली ने भारत के साथ सीमा और नदी जल विवाद उठाए। उस वक्त चीन की राजदूत थीं हाओ यांकी। नेपाल की राजनीति में वह सक्रिय भूमिका निभा रही थीं। कहा यह भी जाता है कि प्रचंड और केपी ओली में जो मेल हुआ, उसमें भी उनकी भूमिका है। अभी वहां चीन के नए राजदूत आने वाले हैं जेन शांग। देखने वाली बात होगी कि वह कैसी भूमिका निभाते हैं।

मजबूत रहेंगे संबंध = एक राय ऐसी सामने आ रही है कि प्रचंड के सत्ता में आने से अब भारत के नेपाल के साथ संबंध उतने अच्छे नहीं रहेंगे जितने कि देउबा के समय में थे। लेकिन यह राय सही नहीं लगती। प्रचंड हमेशा से भारत के साथ जुड़े रहे, वह दोनों देशों की जरूरतों को समझते हैं। प्रचंड को मोनार्की के खिलाफ भारत से बड़ा समर्थन मिला। 2008 में जब नेपाल रिपब्लिक बना, तब भी प्रचंड और उनकी पार्टी को भारत का काफी समर्थन रहा। यह ठीक है कि उन पर केपी ओली का दबाव रहेगा। लेकिन ओली भी जानते हैं कि अगर प्रचंड से उन्होंने समर्थन वापस ले लिया तो नेपाली कांग्रेस के पास 89 सीटें हैं और वह भी उनको समर्थन दे सकती है। चूंकि प्रचंड पहले ही पीएम बन चुके हैं और जो स्टैंडऑफ था वह खत्म हो चुका है, तो अब नेपाली कांग्रेस के लिए प्रचंड की सरकार को समर्थन देना खास मुश्किल नहीं होगा। इसलिए भारत नेपाल संबंध बिगड़ने की आशंकाओं में ज्यादा दम नहीं है।

अभी प्रचंड भारत और पश्चिमी देशों के साथ एक बैलेंस बनाकर रखेंगे और चीन की वह बहुत ज्यादा नहीं सुनेंगे, क्योंकि उनके पास बारगेनिंग का ऑप्शन है। अगर ओली दबाव बनाते हैं तो उन्हें नेपाली कांग्रेस का समर्थन मिलने का पूरा चांस है। प्रचंड के सामने फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती यह है कि 25 लोगों की कैबिनेट में वह किस-किस को शामिल करते हैं। अगर वह इसे मैनेज करने में सफल हो गए तो उनकी सरकार को तत्काल कोई खतरा नहीं है।

सबकी सेहत के लिए फिर कैसे खतरा बना चीन

दिलीप लाल

फरवरी 2020 में जब चीन से कोरोना संक्रमण दुनिया भर में फैला, तो वहां की वाइल्डलाइफ फार्मिंग (वन्यजीव कृषि) पर रोक लगा दी गई। अब कुछ दिन पहले चीन ने फिर इसमें ढील दे दी है। अभी वन्यजीवों से फैलने वाली जूनोटिक बीमारियों का खतरा बरकरार है। खुद चीन कोरोना से घिर चुका है, इसके बावजूद वह वाइल्डलाइफ फार्मिंग के जरिए फिर से पूरी दुनिया के लिए खतरा बनने को तैयार हो रहा है। वन्य जीवों की तस्करी और उसकी खपत के लिहाज से चीन दुनिया का टॉप का देश है। इस कारण वहां जब वन्य जीवों के अस्तित्व पर असर पड़ने लगा तो 1987 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम बनाया गया। पर लंबे समय तक अधिनियम पर काम ही नहीं हुआ। आखिर 2006 में इसे संशोधित करते हुए वाइल्ड लाइफ फार्मिंग को व्यावसायिक रूप दिया गया। इसके तहत वन्य जीव पालन और उसके कारोबार को मान्यता दी गई। यहां तक कि कारोबार के लिए लोन देने की भी व्यवस्था की गई। नतीजतन वाइल्ड लाइफ फार्मिंग वहां का बड़ा कारोबार बन गया।

चीन में जानवरों को भोजन, दवा, आभूषणों और शौक के लिए पालते हैं। पारंपरिक चीनी चिकित्सा के अनुसार, भालू का पित्ताशय और पित्त पीलिया का इलाज करते हैं। चमगादड़ को आईसाइट ठीक रखने के लिए बेहतर माना जाता है। पाम सीवेट और सांप के मांस का स्टू अनिद्रा का इलाज कर सकता है। वहां के लोगों का ऐसा सोचना है, हालांकि वैज्ञानिक रूप से यह बिलकुल भी प्रमाणित नहीं है।

कुछ लोगों का मानना है कि वाइल्ड लाइफ फार्मिंग से वन्यजीवों पर खतरा कम होगा, क्योंकि फार्मिंग से आवश्यकताएं पूरी हो जाएंगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वाइल्डलाइफ फार्मिंग के तहत लाइसेंस देने की जो व्यवस्था की गई थी, उसमें वन्यजीवों को पालने और उनका कारोबार करने की कोई सीमा नहीं थी। सो पालने के बजाय सीधे वन्यजीवों का शिकार करके मार्केट में बेचने का काम भी होता रहा। नए कानून के तहत यह अंतर करना मुश्किल था कि कारोबार कानूनी तरीके से चल रहा है या गैरकानूनी।

हालांकि वाइल्ड लाइफ फार्मिंग का प्रॉडक्शन चीन के सामान्य लोगों के भोजन का जरूरी हिस्सा नहीं है, मगर यह वहां स्टेटस सिंबल जरूर है। मेहमाननवाजी में इसका विशेष महत्व माना जाता है। लग्जरी फूड में गिनती होने के कारण इनकी डिमांड ज्यादा रहती है। सामान्य खानपान के लिए इस्तेमाल होने वाली चीजों की तुलना में इनकी कीमतें भी ज्यादा होती हैं। साही, पाम सीवेट, बैंबू रैट्स की कीमत सुअर के मांस की तुलना में पांच गुनी ज्यादा होती है। इसलिए वाइल्डलाइफ फार्मिंग से उम्मीद की जाने लगी कि इसकी बढ़ती डिमांड से गरीबी कम की जा सकेगी। उसके बाद सरकार ने इसे प्रोत्साहित करना शुरू किया। इस उद्योग से जुड़ने के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम किए जाने लगे। बड़े स्तर पर प्रचार-प्रसार भी किया गया।

चीन में वन्यजीवों को शिकारियों से बचाने के लिए काम करने वाली संस्था एपीसीएस का कहना है कि अगर मनुष्य को संक्रामक बीमारियों से बचाना है, तो वन्यजीवों को उनके अपने माहौल में सुरक्षित रहने दिया जाए। किसी भी तरीके से यदि हम अपने फूड के लिहाज से उनकी फार्मिंग करते हैं, ब्रीडिंग कराते हैं और उनका कारोबार करते हैं तो यह न तो मनुष्य के लिए सुरक्षित है और न ही पर्यावरण के लिए।

जल-संकट पर भागवत का सीधा संवाद

ललित गर्ग

जल प्रदूषण एवं पीने के स्वच्छ जल की निरन्तर घटती मात्रा को लेकर बड़े खतरे खड़े हैं। धरती पर जीवन के लिये जल सबसे जरूरी वस्तु है, जल है तो जीवन है। जल ही किसी भी प्रकार के जीवन और उसके अस्तित्व को संभव बनाता है। जीव मंडल में पारिस्थितिकी संतुलन को यह बनाये रखता है। पीने, नहाने, ऊर्जा उत्पादन, फसलों की सिंचाई, सीवेज के निपटान, उत्पादन प्रक्रिया आदि बहुत उद्देश्यों को पूरा करने के लिये स्वच्छ जल बहुत जरूरी है। जल-संकट के प्रति सचेत करते हुए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सर-संघचालक डॉ. मोहन भागवत ने जल का भंडारण बढ़ाने की बात कहीं। उन्होंने कहा कि जल को जितना बचा सकते हैं बचाएं और जितना बढ़ा सकते हैं बढ़ाएं क्योंकि जल पृथ्वी की संचित संपत्ति है। हम जल को कैसे स्टोर कर सके, इसका उपाय करना चाहिए। भागवत की इस पर्यावरण चिन्ता की परिक्रमा करने के बाद ऐसा लगा कि भारतीय परम्परा का मंचमहाभूत एक कल्पवृक्ष है, जिसकी छांव में रहने वाले लोग पूरी तरह से निश्चिंत रहते हैं।

संघ प्रमुख ने पर्यावरण पर भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित समकालीन विमर्श स्थापित करने के लिए पंचमहाभूत के जल तत्व पर सुजलाम अंतरराष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित करते हुए जल का संयमित उपयोग करने एवं जल को बचाने का आह्वान किया, जो जल-संकट से उभरने की एक रोशनी दे रहा है। उज्जैन में सुजलाम जल महोत्सव में मोहन भागवत ने महाकाल में 60 किलो चांदी से बनाए गए जल स्तंभ का भी अनावरण किया। यह सम्मेलन 'सुमंगलम' नामक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का हिस्सा है। इसका उद्देश्य प्रकृति के पांच मूल तत्वों या 'पंचमहाभूत' - पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और अंतरिक्ष की शुद्धता को सुरक्षित रखने की अनूठी भारतीय अवधारणा को प्रस्तुत करना है। पर्यावरण संकट पर भारत सहित पूरी दुनिया में गहरा संकट देखने को मिल रहा है। इस महासंकट से निजात दिलाने में भारत सक्षम है। पर्यावरण संरक्षण के लिए पंचतत्वों को समझने और व्यापक नीति बनाने के मकसद से देश में सुमंगलम अभियान शुरू किया गया है। संघ एवं भागवत की बहुआयामी प्रवृत्तियों में एक है पर्यावरण। जल प्रदूषण एवं पीने लायक जल की घटती मात्रा दुनिया के सामने एक बड़ी चुनौती बन चुका हैं। पर्यावरण से जुड़ी इस तरह की समस्याओं एवं खतरों को लेकर वैश्विक स्तर पर चिन्ता तो जाहिर की जाती है, मगर अब तक इस दिशा में कोई खास समाधान की पहल नहीं हो सकी है। परिणाम है कि बढ़ती जनसंख्या के कारण तेज औद्योगिकीकरण और अनियोजित शहरीकरण बढ़ रहा है जो बड़े और छोटे पानी के स्रोतों में ढेर सारा कचरा छोड़ रहें हैं जो अंततः पानी की गुणवत्ता को गिरा रहा है। जल में ऐसे प्रदूषकों के सीधे और लगातार मिलने से पानी में उपलब्ध खतरनाक सूक्ष्म जीवों को मारने की क्षमता वाले ओजोन के घटने के कारण जल की स्व-शुद्धिकरण क्षमता घट रही है। इससे जल की रसायनिक, भौतिक और जैविक विशेषताएं बिगड़ रही है जो पूरे विश्व में सभी पौड़-पौधों, मानव और जानवरों के लिये बहुत खतरनाक है।

पशु और पौधों की बहुत सारी महत्वपूर्ण प्रजातियाँ जल प्रदूषकों के कारण खत्म हो चुकी है। ये एक वैश्विक समस्या है जो विकसित और विकासशील दोनों देशों को प्रभावित कर रही हैं। खनन, कृषि, मछली पालन, स्टॉकब्रिडींग, विभिन्न उद्योग, शहरी मानव क्रियाएँ, शहरीकरण, निर्माण उद्योगों की बढ़ती संख्या, घरेलू सीवेज आदि के कारण बड़े स्तर पर जल एवं जलस्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। मोहन भागवत ने इन संकटों से मुक्ति के लिये सार्थक उपक्रम किये जाने की आवश्यकता व्यक्त करते हुए शाकाहार को अपनाने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मांसाहार से पानी की खपत बढ़ गई है। मांसाहार नहीं होगा तो कत्लखाने बंद हो जाएंगे। बेहतर यह है कि शाकाहारी बने। हमें किसी भी तरह जल का अनादर न करना चाहिए। हमारी प्रकृति का सम्मान हो और इसकी सदैव पूजा की जाना चाहिए।

पूरे विश्व के लिये शुद्ध जल की मात्रा का लगातार घटना एवं जल प्रदूषण एक बड़ा पर्यावरणीय और सामाजिक मुद्दा है। यह अपने चरम बिंदु पर पहुँच चुका है। इन संकटों से घिरती विश्व मानवता को बचाने के लिये डॉ. भागवत ने जहां प्रकृति को बचाने के लिये हर प्रकार से कोशिश करने की बात कहीं वहीं उन्होंने खेती के धंधे की पद्धति में बदलाव भी करना पड़े तो करने का सुझाव दिया। हमें अधिक से अधिक जैविक खेती करने की आवश्यकता है। जल का भंडारण अधिक से अधिक धरती पर किया जाए। पानी की खपत कैसे कम हो, कम पानी में हमारा काम हो, इस पर जोर देना जरूरी है। राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (नीरी), नागपुर ने चेताया है कि नदी जल का 70 प्रतिशत बड़े स्तर पर प्रदूषित हो गया है।

भारत की मुख्य नदी व्यवस्था जैसे गंगा, ब्रह्मपुत्र, सिंधु, यमुना आदि बड़े पैमाने पर प्रभावित हो चुकी है। भारत में मुख्य नदी खासतौर से गंगा भारतीय संस्कृति और विरासत से अत्यधिक गहरे रूप में जुड़ी हुई है। आमतौर पर लोग जल्दी सुबह नहाते हैं और किसी भी व्रत या उत्सव में गंगा जल को देवी-देवताओं को अर्पण करते हैं। अपने पूजा को संपन्न करने के मिथक में गंगा में पूजा विधि से जुड़ी सभी सामग्री एवं अस्थि विसर्जन कर देते हैं। इसी गंगा नदी एवं अन्य नदियों में उद्योगों से चीनी मिल, भट्टी, ग्लिस्रिन, टिन, पेंट, साबुन, कताई, रेयान, सिल्क, सूत आदि जो जहरीले कचरे बड़ी मात्रा में मिलते हैं। 1984 में, गंगा के जल प्रदूषण को रोकने के लिये गंगा एक्शन प्लान को शुरु करने के लिये सरकार द्वारा एक केन्द्रिय गंगा प्राधिकरण की स्थापना की गयी थी। सरकार जल प्रदूषण एवं जल संरक्षण के लिये जागरूक बनी है, लेकिन सरकार के साथ जनता को भी जागना होगा।

दुनिया की बहुत सारी नदियों की तरह भारतीय नदियों का पानी भी प्रदूषित हो चुका है, जबकि इन नदियों को हमारी संस्कृति में हमेशा पवित्र जगह दी जाती रही है। भारत के लोग इन नदियों से मुंह नहीं फेर सकते क्योंकि वे उनकी जीवनरेखाएं हैं और भारत का भविष्य कई रूपों में इन्हीं नदियों की सेहत से जुड़ा हुआ है। भारत में जल प्रदूषण सबसे गंभीर पर्यावरण संबंधी खतरों में से एक बनकर उभरा है। इसके सबसे बड़े स्रोत शहरी सीवेज और औद्योगिक अपशिष्ट हैं जो बिना शोधित किए हुए नदियों में प्रवाहित किए जा रहे हैं। सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद शहरों में उत्पन्न कुल अपशिष्ट जल का केवल 10 प्रतिशत हिस्सा ही शोधित किया जा रहा है और बाकी ऐसे ही नदियों, तालाबों एवं महासागरों में प्रवाहित किया जा रहा है। जल प्रदूषण की समस्या से मानव तो बुरी तरह प्रभावित होते ही हैं, जलीय जीव जन्तु, जलीय पादप तथा पशु पक्षी भी प्रभावित होते हैं। खास तौर पर कुछ समुद्री हिस्सों एवं नदियों में तो जल प्रदूषण की वजह से जलीय जीवन समाप्तप्राय हो चुका है। जल बचाने के मुख्य साधन है नदी, ताल एवं कूप। इन्हें अपनाओं, रक्षा करो, अभय दो, इन्हें मरुस्थल के हवाले न करो। अन्तिम समय यही तुम्हारे जीवन और जीवनी को बचायेंगे। ख्यात पर्यावरणविद अनुपम मिश्र तो 'अब भी खरे है तालाब' कहते कहते स्वर्गस्थ हो गये। मोहन भागवत की अवधारणा है कि पंच महाभूतों में पैदा हुए असंतुलन से उत्पन्न विकृतियों के संकट से उभरना आवश्यक है। अपनी-अपनी शक्ति अनुसार पंच महाभूतों पर अलग-अलग स्थानों पर कार्य करना आवश्यक है। पिछले कुछ समय से दुनिया में पर्यावरण के विनाश एवं जल प्रदूषण को लेकर काफी चर्चा हो रही है। मानव की गतिविधियों के कारण पृथ्वी एवं प्रकृति के वायुमंडल पर जो विषैले असर पड़ रहे हैं, उनसे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी चिंतित हैं।

ट्यूशन से पढ़ाई में अव्वल आ सकते हैं बच्चे

कई पेरेंट्स को लगता है कि बच्चे को ट्यूशन की जरूरत नहीं है और इस चक्कर में स्कूल में बच्चे का परफॉर्मेंस खराब होता चला जाता है।

अब पढ़ाई पहले से ज्यादा मुश्किल हो गई है और बड़ी क्लास में जाने पर बच्चों की परेशानियां भी बढ़ रही हैं। काम के बोझ, असाइनमेंट और बड़े सिलेबस की वजह से बच्चों पर बोझ बढ़ रहा है। पेरेंट्स भले ही बच्चों की पढ़ाई में मदद करते हों लेकिन कई सवाल ऐसे आ जाते हैं, जहां उन्हें एक्सपर्ट की सलाह की जरूरत होती है। यहां काम आता है होम ट्यूशन। ट्यूशन से बच्चों को अपने सवालों के जवाब मिलते हैं और वो नए लर्निंग स्किल्स सीखते हैं। अगर आपके बच्चे में ये 5 संकेत दिख रहे हैं, तो समझ लें कि उसे ट्यूशन की जरूरत है।

परफॉर्मेंस में गिरावट

अगर बच्चे की परफॉर्मेंस खराब हो रही है तो इसका मतलब है कि बच्चे को पढ़ाई में बहुत मेहनत करनी पड़ रही है। वहीं अगर बच्चा पहले अच्छा परफॉर्म करता था लेकिन अब कुछ ठीक नहीं चल रहा है, तो यह वाकई में चिंता की बात है। बच्चे से बात करें कि उसे पढ़ाई में क्या परेशानी आ रही है और उसे ट्यूशन की जरूरत है या नहीं।

आत्मविश्वास में कमी

अगर बच्चे को स्कूल में काम खत्म करने में दिक्कत आ रही है तो इसका उनके कॉन्फिडेंस पर असर पड़ेगा। उन्हें अपना होमवर्क खत्म करने की टेंशन होगी और स्कूल न जाने का मन करेगा और परीक्षा में भी परफॉर्मेंस खराब हो जाएगी। ऐसा संकेत मिलने पर आपको अपने बच्चे के लिए ट्यूशन रख लेना चाहिए। इससे उसका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा।

टाइम को मैनेज न करना

टाइम को मैनेज करने में दिक्कत आना या किसी एक सबजेक्ट को याद करने में परेशानी आना भी इस बात का संकेत है कि बच्चे को मदद की जरूरत है। हो सकता है कि बच्चा बाकी सभी सबजेक्ट में अच्छा हो लेकिन गणित और साइंस में उसे परेशानी आती हो। ऐसे में सिर्फ स्कूल जाकर उसकी परेशानी का हल नहीं निकल सकता है। उसे घर पर भी इन विषयों की एक्स्ट्रा क्लास की जरूरत होगी।

होमवर्क करने में दिक्कत आना

अगर बच्चा होमवर्क करने में बहाने बनाता है या स्कूल से मिले काम को छिपा रहा है, तो आप समझ लें कि उसे मदद की जरूरत है। बच्चे अक्सर ऐसा तब करते हैं जब उन्हें कोई टॉपिक समझ न आ रहा हो या काम खत्म करने में दिक्कत हो रही हो। प्राइवेट ट्यूटर बच्चे को उसका काम खत्म करने और टॉपिक को समझने में मदद कर सकते हैं।

खुद के पास नहीं है समय

आप चाहते हैं कि आपका बच्चा पढ़ाई में अच्छा करे तो आपको भी इसके लिए मेहनत करनी होगी। स्कूल की पढ़ाई पर आप ज्यादा भरोसा नहीं कर सकते हैं। अगर आप बच्चे पर ध्यान नहीं दे सकते हैं या उसकी पढ़ाई में मदद नहीं कर सकते हैं तो उसके लिए होम ट्यूशन रख लें। कई लोग सोचते हैं कि ट्यूशन कमजोर बच्चे लेते हैं लेकिन ऐसा नहीं है। ट्यूशन से बच्चों को पढ़ाई में काफी मदद मिल जाती है और उनका परफॉर्मेंस भी बेहतर होता है।

सनमाइका लगा फर्नीचर देखने में सुंदर होने से घर की खूबसूरती पर चार-चांद लगते हैं। मगर इसे बेदाग और चमकदार बनाएं रखने के लिए खास रख-रखाव की जरूरत होती है।

फर्नीचर पर लगी सनमाइका को चमकाने में काम आएंगे ये टिप्स

लोग घरों पर सनमाइका लगा फर्नीचर रखना पसंद करते हैं। यह देखने में सुंदर होने से घर की खूबसूरती पर चार-चांद लगते हैं। मगर इसे बेदाग और चमकदार बनाएं रखने के लिए खास रख-रखाव की जरूरत होती है। नहीं तो दाग लगा फर्नीचर गंदा लगता है। इसके साथ लंबे समय तक इसकी सफाई करने पर इसके जिद्दी दाग छुड़वाने में भी परेशानी हो सकती है। ऐसे में आज हम आपको कुछ खास व आसान से टिप्स बताते हैं। इसकी मदद से आप अपने फर्नीचर की सनमाइका चमकदार रख सकती है। चलिए जानते हैं इन उपायों के बारे में...

सोडा और डिश वॉश

आप सनमाइका की चमक बरकरार रखने के लिए सोडा और डिश वॉश को इस्तेमाल कर सकती है। इसके लिए एक गिलास पानी में 1-1 बड़ा चम्मच सोडा और डिश वॉश मिलाएं। इस मिश्रण को स्प्रे बोतल में भरकर अच्छे से मिलाएं। इसके बाद अपने फर्नीचर पर मिश्रण को स्प्रे करें। बाद में सूखे और कॉटन के कपड़े से सनमाइका को हल्के से साफ करें। इससे आपका फर्नीचर एक साफ होकर नए जैसा चमकने लगेगा।

व्हाइट विनेगर और पानी

इसके लिए 1 गिलास सफेद सिरका और पानी बराबर मात्रा में मिलाएं। तैयार मिश्रण को स्प्रे बोतल में भरें। फिर इसे सनमाइका पर छिड़कें। इसके बाद सूखे व कॉटन के कपड़े लेकर हल्के हाथों से इसे साफ करें। इससे आपके सनमाइका पर लगी धूल-मिट्टी व दाग-धब्बे साफ हो जाएंगे। ऐसे में आपका फर्नीचर एकदम नए जैसा चमकता हुआ नजर आएगा।

क्लीनिंग सॉल्यूशन

आप ड्रेसिंग टेबल, सेंटर टेबल और खिड़की के शीशों आदि को साफ करने के लिए किसी भी क्लीनिंग सॉल्यूशन को यूज कर सकती है। आप बाजार से किसी भी अच्छे ब्रांड का क्लीनिंग सॉल्यूशन खरीद सकती है। इसके बाद इसे फर्नीचर पर स्प्रे करें और सूखे कपड़े से साफ करें। इससे फर्नीचर पर लगे दाग-धब्बे मिनटों में दूर हो जाएंगे और आपका सनमाइका भी शीशे के जैसे चमकता नजर आएगा।

अगर स्प्रे बोतल ना हो तो...

अगर आपके पास स्प्रे बोतल नहीं है तो इसकी जगह पर आप किसी भी मिश्रण बाउल में लें। फिर कॉटन के कपड़े को हल्का सा मिश्रण डुबोकर फर्नीचर को साफ करें। बाद में सूखे कपड़े से इसे साफ कर लें। आपका फर्नीचर चमक उठेगा।

अपने बच्चे को सिखाएं मनी मैनेज करना

बच्चे जब बड़े होने लगते हैं तो उन्हें वित्तीय शिक्षा देना आवश्यक हो जाता है। वे आपका अनुकरण करके भी सीख जाएंगे, पर समय-समय पर उन्हें छोटी-छोटी बातें बताकर आप उन्हें अपने जिम्मेदार बनाने में मदद कर सकते हैं। अपने बच्चों से आप कीमतों और उत्पादों की तुलना पर चर्चा करें। उन्हें भी किराने की दुकान पर अपने साथ ले जाएं, फिर धीरे-धीरे छोटे-मोटे सामान लाने के लिए उन्हें अकेले भेजें। इससे उनमें बाजार और पैसे की समझ पैदा होगी। बच्चे जितनी जल्दी पैसों का प्रबंधन सीख जाएं, उतना अच्छा है। इस तरह वे जीवन का एक महत्वपूर्ण सबक सीखेंगे। जब वे वयस्क हो जाएंगे तो अपने आप स्मार्ट वित्तीय विकल्प बनाने लग जाएंगे। बचपन से ही उन्हें पैसे के प्रबंधन के लिए इन 3 तरीकों को जानना बेहद जरूरी है-

सहेजना/ बचत करना

इस तरीके को आसानी से समझाने के लिए आप अपने बच्चे को गुल्लक लाकर दीजिए। जब भी बच्चे को उपहार के रूप में पैसे मिलें तो उसे वे गुल्लक में डालने के लिए कहें, फिर उसे पैसे गिनने के लिए कहें और ये समझाएं कि पैसे जमा हो रहे हैं और बढ़ रहे हैं। ऐसा करने के लिए अपने बच्चे को प्रोत्साहित करें।

खर्च करना

अपने बच्चे को बुद्धिमानी से खर्च करना सिखाएं। जब वे एक नए पेंसिल बॉक्स पर खर्च करना चाहें तो उनसे पूछें कि क्या वे वास्तव में इसे खरीदना चाहते हैं? उनके लिए यह समझना बहुत जरूरी है कि उनके लिए क्या जरूरी है और क्या नहीं। इससे बच्चा अपनी असली जरूरतों को समझेगा और फिजूलखर्ची नहीं करेगा।

दान

उन्हें साझा करना सिखाएं। उसे सिखाएं कि उदारता से बड़ा कोई पुण्य नहीं है। इसी के साथ उन्हें पैसे की कद्र करना सिखाएं, पैसे की बचत करना सिखाएं, फिजूलखर्ची होने पर उन्हें चेताएं और सबसे जरूरी यह है कि आप खुद उनके लिए एक आदर्श उदाहरण बनें। बच्चे आपका अनुकरण अवश्य करेंगे।

स्किन को ग्लोइंग रखते हैं करेले से बनें ये तीन फेस पैक

करेला जितना स्वाद में कड़वा लगता है यह सेहत के लिए उतना ही फायदेमंद होता है केवल खाने में नहीं बल्कि इसे लगाने से भी स्किन से संबंधित कई समस्याएं दूर होती है। बता दें कि करेला यह स्किन पर होने वाले पिंपल्स और एक्ने से हमें बचाता है और चेहरे पर नेचुरल ग्लो लेकर आता है। इसके अलावा करेले को सुपरफूड भी कहा जाता है। आईए जानते हैं करेला हमारी स्किन कैसे फायदेमंद है।

करेले के गुण

करेले में विटामिन-सी, आयरन, बीटा-केराटिन, पोटेशियम, कैल्शियम जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो स्किन पर मौजूद बैक्टीरिया और कीटाणुओं हटाकर स्किन को ग्लोइंग लुक देते हैं। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण पाएं जाते हैं जो एजिंग की प्रक्रिया को स्लो करने में मदद करता है। इसी के साथ आज हम आपको करेले के कुछ फेस पैक्स बताएंगे जो आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। आईए जानते हैं करेले से बने फैस पैक के बारे में

खीरे से ऐसे बनाएं करेला फेस पैक

डल स्किन को रिमूव करने के लिए खीरे और करेले का फेस पैक बहुत ही बढ़िया है। खीरे में मौजूद पानी स्किन को साफ करने में मदद करता है। वहीं इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप करेले और खीरे के कुछ टुकड़े लें और उसे मिक्सर में पीस लें। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें, बाद में चेहरा ठंडे पानी से धो लें। इस फेस पैक को लगाने से आपकी डल स्किन रिमूव होगी और चेहरा ग्लो करेगा।

अंडे-दही से बनाएं करेला फेस पैक

अंडा और दही स्किन को हाइड्रेट करने में बहुत ही मददगार है। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड स्किन पोर्स को टाइट करता है और चेहरे की झुर्रियां कम होती है। इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप करेले का रस लें और दही और अंडे में अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद इसे चेहरे और गर्दन पर लगाएं और 25 मिनट के लिए छोड़ दें, बाद में इसे गर्म पानी से धो लें। सिसे आपकी स्कीन टाइट और ग्लोइंग लगेगी।

नीम हल्दी से बनाएं करेला फेस पैक

नीम में एंटीऑक्सीडेंट गुण भरपर पाएं जाते हैं जो स्किन को पिंपल्स और एक्ने से बचाने में मदद करता है। वहीं इसमें मौजूद हल्दी स्किन पर निखार लाने का काम करती है। इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप ब्लेंडर में करेले, नीम और हल्दी को डाले और एक पेस्ट तैयार कर लें, इसके बाद में इसे चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट के छोड़ दें, बाद में गुनगुने पानी से इसे धो लें। कुछ ही दिनों में आपको पिंपल्स और एक्ने की समस्या दूर हो जाएगी।

ड्रैसिंग रूम को दें अलग अंदाज

अपने आशियाने को करीने से सजाना प्रत्येक महिला की चाहत होती है। ड्रैसिंग रूम में ज्यादा स्थान के कुछ ईजी टिप्स, रोशनी लगाने का एक अलग अंदाज और सोफे में ही टेबल के एक लेटेस्ट डिजाइन के बारे में जानना भी जरूरी है। तो आइए जानें ड्रैसिंग रूम में ज्यादा स्पेस कैसे बनाएं

- आप जिन चीजों को रख रही हैं उनकी लेबलिंग करें। बास्केट पर लिख दें कि यह किस चीज के लिए है।
- तौलिए, कपड़ों को टांगने वाले हुक कुछ ऐसे हों कि आसानी से दीवार में टांगे जा सकें और सही तरह से उनमें ज्यादा सामान आ सके।
- दरवाजे के ऊपर पोर्शन रखें, बशर्ते आपके ड्रैसिंग रूम की छत ऊंची हो। इसके ऊपर का स्थान सबसे अहम है क्योंकि उसे आप स्टोरेज के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं।
- कॉर्ड कंट्रोल या वायर को घुमा कर रखने से ड्रायर, इलैक्ट्रिक शेवर्स और प्रैस रख सकती हैं।
- ड्रेसिंग टेबल के करीब अपने सभी छोटे मोटे सामान रखें। जिसकी आपको रोजाना जरूरत पड़ती है। सामान को धूल से बचाने के लिए सुंदर शोपीस का इस्तेमाल करें जिसमें अपनी पसंदीदा चीजें प्रदर्शित कर सकती हैं।
- गद्देदार कोट हैंगर पर नाजुक कपड़ों को लटकाएं। इससे वो लंबे समय तक खराब नहीं होंगे।
- कभी आपको अचानक यात्रा के लिए जाना पड़ जाए तो इसके लिए एक वानिटी – कैस हमेशा तैयार रखें।
- अच्छी तरह से संगठित अलमारी आपके कपड़ों को टिप टॉप हालत में रखती है।
- सुंदर लटके हुए कपास भंडारण बैग में अपने पसंदीदा अधोवस्त्र स्टोर किए जा सकते हैं।

बच्चों के लिए बनाएं हैल्दी-टेस्टी मैक्सिकन सैंडविच

सेहतमंद रहने के लिए डाइट का हैल्दी होना बेहद जरूरी है। मगर बात बच्चों की करें तो वे खाने-पीने में थोड़ी मूडी होते हैं। ऐसे में आप उन्हें खास मैक्सिकन सैंडविच बनाकर खिला सकती है। सब्जियों व पनीर से तैयार यह सैंडविच खाने में टेस्टी होने के साथ सेहत के लिए फायदेमंद होता है। जानते हैं इसे बनाने की रेसिपी...

सामग्री

ब्रेड- 4 स्लाइस
बटर- 4 चम्मच
बेक बीन्स- 1/2 बाउल
टमाटर- 1 (कटा हुआ)
प्याज- 1/4 बाउल (कटे हुए)
ग्रेटिड पनीर- 2 बड़े चम्मच
स्प्रिंग ऑनियन-
1 बड़ा चम्मच (कटा हुआ)
नमक-स्वाद अनुसार
रेड चिली सॉस- 1 छोटा चम्मच
टोमैटो सॉस- 1 बड़ा चम्मच
सालसा सॉस- 2 बड़े चम्मच

विधि

- सबसे पहले ब्रेड को ट्राएंगल शेप में काटकर बटर लगाएं।
- एक बाउल में सभी सब्जियां व सॉस मिलाएं।
- तैयार स्टफिंग को ब्रेड पर लगाकर दूसरे ब्रेड स्लाइस से ढक दें।
- अब ब्रेड पर दोनों तरफ बटर लगाकर तवे पर शैलो फ्राई करें।
- आप चाहें तो इसे बेक कर सकती है।
- तैयार मैक्सिकन सैंडविच को सालसा व टोमैटो सॉस के साथ सर्व करें।

नाश्ते में बनाएं इंदौरी पोहा

नाश्ते में खासतौर पर लोग पोहा खाना पसंद करते हैं। वहीं लोग इसमें अलग-अलग सब्जियां डालकर खिलाते हैं। मगर आज हम आपके लिए खास इंदौरी पोहा की रेसिपी लेकर आते हैं। यह चिड़वा, सब्जी, भुजिया और मूंगफली से तैयार किया जाता है। इसे बनाने का तरीका...

सामग्री

पोहा-2 कप
हरी मिर्च-
2 (बारीक कटी)
सौंफ- 1 छोटा चम्मच
राई- 1/2 छोटा चम्मच
हल्दी पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
शक्कर- 2-3 बड़े चम्मच
नमक- स्वाद अनुसार
हरा धनिया-
1 बड़ा चम्मच
(बारीक कटा)
प्याज- 1/2 कप
(बारीक कटा)
चटपटी इंदौरी सेव-
जरूरत अनुसार
तेल- 2 बड़े चम्मच
मसाला बूंदी-
जरूरत अनुसार
जीरावन मसाला-
जरूरत अनुसार
नींबू- 1 बड़ा चम्मच

विधि

- सबसे पहले पोहा धोएं और इसका पानी निकाल कर अलग रखें।
- अब इसमें हल्दी, नमक और शक्कर मिलाएं।
- पैन में तेल गर्म करके राई का तड़का लगाएं।
- इसमें हरी मिर्च, सौंफ पकाएं।
- इसमें पोहा मिलाकर धीमी आंच पर पकाएं।
- अब एक पतीले में पानी उबालें।
- उस पानी में पोहा का पैन रखकर इसे भाप में पकाएं।
- पोहा पकने पर इसे प्लेट में निकालें।
- इसे सेंव, प्याज, जीरावन मसाला, बूंदी और नींबू से गार्निश करके सर्व करें।

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज़
PRESS

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
Monthly ROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- (above length sqcm card rate applicable)

OBITUARY/CONDOLANCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

With effect from 01.11.2023
RATE CARD
Classifieds
Call @ ITDC welcome No. +919575 220022

भारत ने साल 2022 में जीते सबसे ज्यादा मैच

मगर हाथ नहीं लगी एक भी ट्रॉफी, पाकिस्तान काफी पीछे

नई दिल्ली। आज साल 2022 का आखिरी दिन है.. क्रिकेट की 22 गज की पिच पर इस साल बल्लेबाजों समेत गेंदबाजों ने खूब धमाल मचाया और कुछ अद्भुत रिकॉर्ड बनाए। साल भर में टी20 वर्ल्ड कप समेत कई अन्य टूर्नामेंट भी हुए जिसमें टीमों ने अपनी धाक जमाई। सभी टीमें साल का अपना-अपना आखिरी मुकाबला खेल चुकी है, ऐसे में हम आपके लिए इस साल सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली टीमों की लिस्ट लेकर आए हैं।

इस लिस्ट में रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम इंडिया टॉप पर है, मगर उनके हाथ इस साल कोई भी ट्रॉफी नहीं लगी। साथ ही भारत ने इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतने का भी मौका गंवाया। इस लिस्ट में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड क्रमश- दूसरे, तीसरे और चौथे पायदान पर है, वहीं साल का आखिरी मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ ड्रॉ खेलने वाली पाकिस्तान की टीम पांचवे नंबर पर है।

भारत ने इस साल सभी फॉर्मेट में मिलाकर सबसे अधिक 71 मैच खेलें, जिसमें टीम इंडिया को 46 मुकाबलों में जीत मिली तो वहीं 21 बार हार का सामना करना पड़ा। पूरे साल नए-नए कप्तानों के अंडर खेलने वाली टीम इंडिया ने साल 2022 में 4 टेस्ट, 2 वनडे और 28 टी20 मुकाबले जीते। भारत के लिए इस साल की शुरुआत ही अच्छी नहीं रही थी। टी20 टीम से कप्तान का पद छोड़ने के बाद चेतन शर्मा की अगुवाई वाली चयन समीति ने पूर्व कप्तान विराट कोहली से वनडे टीम की भी कप्तानी छीन ली थी। इस घटना के बाद विराट कोहली ने साउथ अफ्रीका दौरे के बाद टेस्ट टीम की भी कमान सौंप दी थी। कोहली के बाद कप्तानी की जिम्मेदारी रोहित शर्मा को मिली, मगर उनकी फिटनेस और सीनियर खिलाड़ियों के वर्कलोड को देखते हुए पूरे साल भारत ने कुल 7 कप्तान बदले। भारत ने साल 2022 में टी20 वर्ल्ड कप और एशिया कप जैसे बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भाग लिया, मगर दोनों ही बार टीम इंडिया फाइनल तक का सफर तय नहीं कर पाई।

साल 2022 में सबसे ज्यादा मैच जीतने के मामले में ऑस्ट्रेलिया 30 मैचों के साथ दूसरे पायदान पर रही, वहीं टी20 वर्ल्डकप की चैंपियन टीम इंग्लैंड ने 29 जीत के साथ तीसरा पायदान हासिल किया। न्यूजीलैंड की टीम इस समय पाकिस्तान दौरे पर है। पहला टेस्ट ड्रॉ रहने के बाद कीवी टीम इस सूची में 27 जीत के साथ चौथे तो बाबर आजम की पाकिस्तान 44 में से 23 मैच जीतकर पांचवे नंबर पर रही।

इंडिया विमेंस अंडर-19 टीम का तीसरा टी-20 भी रद्द

ग्राउंड गीला होने के कारण नहीं हुआ मैच, 2 सप्ताह बाद है वर्ल्डकप

नई दिल्ली। इंडिया विमेंस और साउथ अफ्रीका विमेंस अंडर-19 टीम के बीच तीसरा टी-20 इंटरनेशनल मैच रद्द हो गया। प्रीटोरिया के स्टेन सिटी स्कूल में बारिश के बाद ग्राउंड गीला होने के कारण मैच में एक भी बॉल का खेल नहीं हो सका। 5 मैचों की सीरीज का दूसरा टी-20 भी इसी कारण रद्द करना पड़ा था। साउथ अफ्रीका में 14 जनवरी 2023 से अंडर-19 विमेंस वर्ल्ड भी होना है। ऐसे में टीम इंडिया की तैयारियां अधूरी छूटते नजर आ रही हैं।

इंडिया विमेंस और साउथ अफ्रीका विमेंस टीम के बीच चौथा टी-20 मैच 2 जनवरी और आखिरी मैच 4 जनवरी को प्रीटोरिया के इसी ग्राउंड पर खेला जाएगा। पहला मैच जीतकर टीम इंडिया सीरीज में 1-0 से आगे हैं। इस ग्राउंड पर विमेंस अंडर-19 टी-20 वर्ल्ड कप का एक भी मैच नहीं खेला जाएगा। ऐसे में टूर्नामेंट की तैयारियों को लेकर अभी कुछ कहा नहीं जा सकता।

टीम इंडिया साउथ अफ्रीका के खिलाफ शेफाली वर्मा की कप्तानी में उतरी हैं। 18 साल की शेफाली सीनियर विमेंस टीम का भी हिस्सा हैं। उनके अलावा सीनियर विमेंस टीम में शामिल 19 साल की रिचा घोष भी अंडर-19 वर्ल्ड कप खेलेंगी। दिल्ली की श्वेता सेहरावत टीम की उप कप्तान हैं। साउथ अफ्रीका से पहले भारत ने मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 टी-20 की सीरीज खेली थी। सभी मैच भारत ने ही जीते थे।

साउथ अफ्रीका अंडर-19 विमेंस वर्ल्ड कप 14 जनवरी से शुरू हो कर 29 जनवरी तक चलेगा। 16 टीमों के टूर्नामेंट में 41 मैच खेले जाएंगे। सभी टीमों को 4 ग्रुप में बांटा गया है। टीम इंडिया मेजबान साउथ अफ्रीका, स्कॉटलैंड औरृ श्व के साथ ग्रुप डी में है।

भारत का पहला मैच मेजबान साउथ अफ्रीका से 14 जनवरी को खेला जाएगा। 16 जनवरी कोृ श्व और 18 जनवरी को स्कॉटलैंड की अंडर-19 टीम से भारत के मैच होंगे। 27 जनवरी को 2 सेमीफाइनल और 29 जनवरी को टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

15 पर सिमटने वाली सिडनी थंडर ने बनाए 228 रन

बिग बैश का चौथा हाईएस्ट स्कोर, 15 दिन पहले 35 बॉल में हुई थी ऑलआउट

एल्बरी। बिग बैश लीग (BBL) का सबसे छोटा स्कोर बनाने वाली सिडनी थंडर ने 20 ओवर में 228 रन बना दिए। सिडनी की टीम 16 दिसंबर को BBL के सबसे छोटे स्कोर 15 रन पर ऑलआउट हो गई थी। टीम ने शनिवार को होबार्ट हरिकंस के खिलाफ BBL का चौथा सबसे बड़ा स्कोर बनाया। इस तरह टीम ने 15 दिन के अंदर ही बिग बैश लीग के 2 रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी थंडर को मैथ्यू जाइक्स ने तेज शुरुआत दिलाई। 16 बॉल पर 33 रन बनाने के बाद वह आउट हो गए। ओपनर एलेक्स हेल्स ने 77 रन बनाए। उन्होंने ओलिवर डेविस के साथ दूसरे विकेट के लिए 105 रन जोड़े। डेविस ने 203.12 के स्ट्राइक रेट से 65 रन बनाए। टीम के दूसरे बैटर्स में राइली रुसो ने 18, एलेक्स रॉस ने 14 और नाथन मैकएंड्र्यू ने 10 रन बनाए। डेनियल सैम्स और बेन कटिंग 1-1 रन ही बना सके। टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 228 रन बनाए। होबार्ट के लिए नाथन एलिस ने 4 और रिले मेरेडिथ ने 2 विकेट लिए।

229 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी होबार्ट को कप्तान मैथ्यू वेड ने तेज शुरुआत दिलाई। वेड ने 30 बॉल पर 67 रन बनाए। इस पारी में उन्होंने 2 चौके और 6 छक्के जड़े। उनके अलावा टीम का कोई भी बैटर कुछ खास नहीं कर सका और टीम 17 ओवर में 166 पर ऑलआउट हो गई। उन्हें 62 रन से हार का सामना करना पड़ा।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज और आईपीएल में नहीं खेलेंगे ऋषभ पंत?

नई दिल्ली। भारत के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का शुक्रवार सुबह दिल्ली-देहरादून हाईवे पर भयानक कार एक्सीडेंट हो गया था। पंत की कार डिवाइडर से टकराने के बाद बुरी तरह जल गई और खिलाड़ी की जान बाल-बाल बची। पंत के सिर, दाएं घुटने के लिगामेंट, कलाई, पैर और पीठ में चोट आई है लेकिन उनकी हालत स्थिर है। फिलहाल पंत देहरादून के मैक्स अस्पताल में भर्ती हैं। उनका विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम इलाज कर रही है। पंत के फैंस उनके जल्द ठीक होने और मैदान पर लौटने की कामना कर रहे हैं। वहीं, डॉक्टर का कहना है कि पंत को पूरी तरह फिट में कई महीने लग सकते हैं। क्रिकेटर का इलाज कर रहे मेडिकल टीम के एक सदस्य ने टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा, ÷पंत की हालत पर आर्थोपेडिक्स विभाग के डॉक्टर गौरव गुप्ता नजर रख रहे हैं। पंत की हालत स्थिर है और उन्हें किसी तरह की जानलेवा चोट नहीं लगी है।

connects
NEWS THAT YOU NEED
ITDC INDIA ENGLISH
आपकी बात
आपके साथ
NEWS: 9617 110011, ADVT: 9826 229922, ADMIN: 84610 12121

पाकिस्तान क्रिकेट का बुरा दौर, स्टेडियम से गायब हुए दर्शक

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शनिवार को घोषणा की कि सोमवार से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट में दर्शक फ्री (निशुल्क) में मैच देख सकेंगे। निशुल्क प्रवेश देने का फैसला श्रृंखला के पहले टेस्ट में दर्शकों की निराशाजनक संख्या को देखते हुए किया गया जो शुक्रवार को खराब रोशनी के कारण रोक दिया गया था।

पीसीबी ने विज्ञप्ति में कहा, दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश के लिये केवल अपनी मूल सीएनआईसी (पहचान पत्र) लानी होगी और वे किसी भी स्टैंड प्रीमियम और प्रथम श्रेणी से मैच देख सकेंगे। बोर्ड ने साथ भी यह भी कहा कि स्टेडियम और पार्किंग क्षेत्र के बीच शटल भी मुहैया करायी जायेंगी। दो मैचों की श्रृंखला का पहला मैच शुक्रवार को ड्रॉ रहा था।

रनों से भरपूर कराची की नेशनल स्टेडियम की पिच पर गेंदबाजों के लाख पसीना बहाने के बावजूद पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट मैच शुक्रवार को हार जीत के फैसले के बिना समाप्त हो गया। मैच के पांचवें और आखिरी दिन पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक (96) की पारी दर्शकों के आकर्षण का केन्द्र रही हालांकि वह करियर के चौथे टेस्ट शतक से मात्र चार कदम दूर रह कर इश सोढी का शिकार बने। इसके अलावा सरफराज अहमद (53) और सउद शकील (55) ने पाकिस्तान को सुरक्षित स्कोर तक ले जाने में महती योगदान दिया।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस ने साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवा कर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित किया।
संपादक- राधिका वीरेंद्र* आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।

साल के आखिरी दिन पेट्रोल-डीजल पर बड़ी राहत, *आ गई नई रेट लिस्ट, करें चेक*

नई दिल्ली। साल के आखिरी दिन यानी 31 दिसंबर को देश के महानगरों में पेट्रोल और डीजल के दाम में किसी तरह का बदलाव नहीं हुआ है। पेट्रोल-डीजल के दाम में स्थिरता भी एक तरह से राहत है क्योंकि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है।

क्या है रेट लिस्ट: देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। इसी तरह, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल के दाम 106.31 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये प्रति लीटर तो वहीं डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। वहीं, चेन्नई की बात करें तो पेट्रोल की कीमत 102.63 रुपये प्रति लीटर है। अगर डीजल की बात करें तो यह 94.24 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

आपको बता दें कि देश में पांच महीने से अधिक समय से ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

रेट चेक करने का तरीका: आप अपने शहर में पेट्रोल या डीजल की कीमतों की जानकारी स्रूस से ले सकते हैं। इसके लिए इंडियन ऑयल ग्राहकों को ऋस्क्क कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर भेजना होगा।

शेयर बाजार में इस साल था डर का माहौल, फिर भी निवेशकों ने बनाए पैसे, रू. 13 लाख करोड़ का फायदा

नई दिल्ली। वैसे तो आज यानी 31 दिसंबर साल का आखिरी कारोबारी दिन है लेकिन शेयर बाजार में ट्रेडिंग की अंतिम तिथि 30 दिसंबर थी। बीते शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि सालाना आधार पर सेंसेक्स ने 4.44 प्रतिशत और निफ्टी ने 4.32 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

शेयर बाजार का हाल- बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 293.14 अंक यानी 0.48 प्रतिशत नुकसान के साथ 60,840.74 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह एक समय 258.8 अंक चढ़कर 61,392.68 अंक तक पहुंच गया था। इसी तरह एनएसई का सूचकांक निफ्टी भी 85.70 अंक यानी 0.47 प्रतिशत गिरकर 18,105.30 अंक पर बंद हुआ।

पिछले साल के बंद भाव की तुलना में इस साल सेंसेक्स 2,586.92 अंक यानी 4.44 प्रतिशत की बढ़त पर रहा है जबकि निफ्टी में 751.25 अंक यानी 4.32 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है।

वर्ष 2021 में सेंसेक्स ने 10,502.49 अंक यानी 21.99 प्रतिशत की जबरदस्त तेजी दर्ज की थी। वर्ष 2022 में दोनों प्रमुख सूचकांक अपने रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचे। एक दिसंबर को सेंसेक्स ने 63,583.07 अंक का अपना सर्वोच्च स्तर हासिल किया था। वहीं, 17 जून को यह साल के निम्नतम स्तर 50,921.22 अंक पर भी गिरा था।

रू.13 लाख करोड़ का फायदा: बीएसई के मार्केट कैप की बात करें तो एक साल में निवेशकों को ?13 लाख करोड़ का फायदा हुआ है। साल के पहले कारोबारी दिन बीएसई मार्केट कैप- 2,69,49,853.58 करोड़ था, जो 30 दिसंबर को 2,82,38, 247.93 पर पहुंच गया। इस लिहाज से सालभर में निवेशकों को 12.88 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का मुनाफा हुआ है।

शेयर बाजार में था डर का माहौल: इस पूरे साल शेयर बाजार में डर का माहौल था। वैश्विक स्तर के घटनाक्रम ने बाजार को प्रभावित किया। रूस और यूक्रेन की जंग के अलावा महंगाई और मंदी की आशंका का असर भारत के शेयर बाजार पर भी दिखा।

10 महीने में 250 प्रतिशत चढ़ गए शेयर, नौसेना के लिए पनडुब्बी और वारशिप बनाती है सरकारी कंपनी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के लिए पनडुब्बी और वारशिप बनाने वाली सरकारी कंपनी ने पिछले कुछ महीने में छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। यह सरकारी कंपनी माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड है। सरकारी कंपनी माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड के शेयरों ने पिछले 10 महीने में 250 पर्सेंट से अधिक का रिटर्न इनवेस्टर्स को दिया है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 936.85 रुपये है। सरकारी कंपनी के 52 हफ्ते का लो लेवल 224 रुपये है।

10 महीने में ही 1 लाख रुपये के बन गए 3.54 लाख रुपये

माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स के शेयर 24 फरवरी 2022 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 224 रुपये के स्तर पर थे। सरकारी कंपनी के शेयर 30 दिसंबर 2022 को बीएसई में 793.70 रुपये के स्तर पर बंद हुए हैं। कंपनी के शेयरों ने इस पीरियड में 252 पर्सेंट के करीब रिटर्न दिया है। अगर किसी व्यक्ति ने 24 फरवरी 2022 को माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने इनवेस्टमेंट को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में यह पैसा 3.54 लाख रुपये होता।

छह महीने में कंपनी के शेयरों ने दिया 221 प्रतिशत का रिटर्न

माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स के शेयर पिछले 6 महीने में 221 पर्सेंट चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयर 1 जुलाई 2022 को बीएसई में 246.80 रुपये के स्तर पर थे। सरकारी कंपनी के शेयर 30 दिसंबर 2022 को बीएसई में 793.70 रुपये पर बंद हुए हैं। माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स के शेयरों ने इस साल अब तक इनवेस्टर्स को करीब 180 पर्सेंट का रिटर्न दिया है। वहीं, पिछले एक साल में सरकारी कंपनी के शेयरों में 185 पर्सेंट का उछाल आया है। पिछले 5 दिन में माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स के शेयरों में करीब 8 पर्सेंट की तेजी आई है। सरकारी कंपनी का मार्केट कैप करीब 16008 करोड़ रुपये का है।

जिस कंपनी ने दिखाए थे रतन टाटा को तेवर, उसके प्लांट पर टाटा का होगा कब्जा!

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की कंपनी अपनी सब्सिडयरी के जरिए के प्लांट अधिग्रहण की प्रक्रिया को पूरी करेगी। Tata Motors की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक सब्सिडयरी टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी (टीपीईएमएल) और फोर्ड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एफआईपीएल) के बीच गुजरात स्थित साणंद प्लांट के अधिग्रहण की प्रक्रिया 10 जनवरी, 2023 को पूरी होगी।

क्या आएगा टाटा के हिस्से में: इस अधिग्रहण प्रक्रिया के जरिए टाटा मोटर्स की झोली में फोर्ड इंडिया की भूमि, इमारतों, वाहन विनिर्माण इकाई, मशीनरी और उपकरण आएंगे। टाटा मोटर्स ने स्टॉक एक्सचेंज में कहा- इस प्लांट की सालाना क्षमता 3 लाख यूनिट है और इसे बढ़ाकर 4,20,000 यूनिट तक किया जा सकता है। वहीं, इस अधिग्रहण प्रक्रिया में प्लांट के सभी योग्य कर्मचारियों की नौकरी बरकरार रहेगी। बता दें कि यह डील 725.7 करोड़ रुपये की थी।

आपको बता दें कि अमेरिकी कंपनी फोर्ड ने 90 के दशक में भारतीय बाजार में एंट्री ली थी। भारत में फोर्ड ने मुनाफे की कोशिश में कई साल लगा दिए लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। बीते साल कंपनी ने कमजोर मांग, प्रतिस्पर्धियों के कम लागत वाले वाहनों और महिंद्रा के साथ असफल ज्वाइंट वेंचर सहित कई कारणों का हवाला देते हुए भारत से कारोबार समेटने का ऐलान किया।

रतन टाटा को दिखाए थे तेवर: ये भी दिलचस्प है कि भारत में जिस अमेरिकी कंपनी फोर्ड के प्लांट का अधिग्रहण टाटा मोटर्स कर रही है, करीब 23 साल पहले डील भी कैंसिल हुई थी। दरअसल, कार डिविजन में नाकामी के बाद रतन टाटा अपने इस कारोबार को बेचना चाहते थे।

2022 में अडानी, अंबानी ने की कई कारोबारी डील, टाटा ने भी की खूब शॉपिंग

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज कॉरपोरेट्स- गौतम अडानी समूह, मुकेश अंबानी के रिलायंस के अलावा टाटा समूह ने साल 2022 में कई कंपनियां खरीदी हैं। एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति गौतम अडानी के नेतृत्व वाले अडानी समूह ने अलग-अलग सेक्टर की कंपनियों का अधिग्रहण किया है। हालांकि, सबसे चर्चित अधिग्रहण अंबुजा और एसीसी सीमेंट का रहा।

6.4 अरब डॉलर की डील: अडानी समूह ने सितंबर महीने में 6.4 अरब डॉलर में अंबुजा सीमेंट और एसीसी के अधिग्रहण का सौदा स्विस निर्माण सामग्री कंपनी होल्सिम के साथ किया। इस अधिग्रहण के बाद सीमेंट क्षेत्र में अडानी समूह, आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट के बाद दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी बन गई। अल्ट्राटेक सीमेंट ने अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखने के लिए लगभग 13,000 करोड़ रुपये की विस्तार योजना की घोषणा की थी। इस डील के अलावा अडानी समूह के मीडिया कंपनी एनडीटीवी का अधिग्रहण भी काफी चर्चा में रहा। अडानी समूह की झोली में कोहिनूर राइस ब्रांड की कंपनी भी आई तो वहीं इजराइल के हाइफा पोर्ट की बोली भी जीती।अरबपति मुकेश अंबानी की नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 2,850 करोड़ रुपये में जर्मनी की मेट्रो एजी का अधिग्रहण किया। इसमें मेट्रो इंडिया के सभी 31 स्टोर के साथ उसका रियल एस्टेट पोर्टफोलियो भी शामिल था। हालांकि फ्यूचर ग्रुप के खुदरा कारोबार के अधिग्रहण के लिए हुआ 24,713 करोड़ रुपये का सौदा कानूनी विवादों में फंसने के बाद कारगर नहीं हो पाया। वर्ष की शुरुआत में रिलायंस रिटेल ने रोजमर्रा के उपभोग वाली वस्तुओं (एफएमसीजी) क्षेत्र में प्रवेश की घोषणा की थी। इसने कुछ अन्य ब्रांडों के अलावा घरेलू शीतल पेय ब्रांड कैम्पा का भी अधिग्रहण किया। इसने अनाज, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, पेय पदार्थ एवं अन्य दैनिक उपभोग वाले उत्पादों के लिए खुद का ब्रांड भी पेश किया।

साल के आखिरी दिन कम हो गई अडानी की दौलत, टॉप 2 रईस भी कंगाल!

नई दिल्ली। साल के आखिरी दिन दुनिया के टॉप 3 अरबपतियों की दौलत में बड़ी गिरावट आई है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक सबसे रईस अरबपति फ्रांस के बर्नाड अरनॉल्ट की दौलत में 2.42 बिलियन डॉलर की गिरावट आई है और उनका नेटवर्थ 162 बिलियन डॉलर हो गया है। इसी तरह, टेस्ला के एलन मस्क की दौलत में 1.28 बिलियन डॉलर की गिरावट देखने को मिली है। एलन मस्क का नेटवर्थ लुढ़क कर 137 बिलियन डॉलर पर आ गया है। भारत के गौतम अडानी दुनिया के तीसरे सबसे रईस अरबपति हैं। गौतम अडानी की दौलत 121 बिलियन डॉलर है और एक दिन पहले के मुकाबले इसमें 580 मिलियन डॉलर की गिरावट आई है। हालांकि, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की दौलत में 214 मिलियन डॉलर का इजाफा हुआ है और अब नेटवर्थ 87.1 बिलियन डॉलर है। आपको बता दें कि अरबपतियों की सूची में मुकेश अंबानी की रैंकिंग 8वीं है।

दिसंबर में बेस्ट लिस्टिंग, किसने कराया फायदा, कहां हुआ नुकसान?

नई दिल्ली। साल 2022 के अब आखिरी कुछ घंटे बचे हैं। इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ के लिहाज से यह साल मिला-जुला रहा। इस साल रूस-यूक्रेन जंग के अलावा महंगाई, मंदी की वजह से शेयर बाजार में एक डर का माहौल था। इसी डर की वजह से कुछ कंपनियों ने आईपीओ को टाल भी दिया है।

बहरहाल, हम आपको इस साल के उन आईपीओ के बारे में बताएंगे, जिन्होंने निवेशकों को मालामाल किया। इस दौरान उन आईपीओ का भी जिक्र करेंगे, जिस पर दांव लगाकर निवेशकों को नुकसान हो गया। साल 2022 में अडानी विल्मर, वीनस पाइप्स एंड ट्यूब्स, ड्रोनआचार्य एरियल इनोवेशन के आईपीओ ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। जिन निवेशकों को ये आईपीओ अलॉट हुए, उनकी रकम में कई गुना इजाफा हो चुका है।

गौतम अडानी समूह के इस आईपीओ को जनवरी 2022 में ?218 से ?230 प्रति इक्विटी शेयर के प्राइस बैंड पर लॉन्च किया गया था। पब्लिक इश्यू की पॉजिटिव लिस्टिंग हुई थी लेकिन लिस्टिंग के बाद अडानी विल्मर के शेयरों में तेज उछाल आया। अडानी विल्मर के शेयर की कीमत आज लगभग ?617 है, जो इसके इश्यू प्राइस से 170 प्रतिशत अधिक है। इस आईपीओ को मई 2022 में ?310 से ?326 के प्राइस बैंड पर लॉन्च किया गया था। मामूली प्रीमियम पर लिस्टिंग के बाद शेयर रॉकेट बन गया। वीनस पाइप्स एंड ट्यूब्स के शेयर की कीमत अब ?715 प्रति शेयर है, जो इश्यू प्राइस से लगभग 120 प्रतिशत अधिक है।

बाइरैक
birac
Biotechnology Industry Research Assistance Council
(A Govt. of India Enterprise)
BIG
Kick Starting Entrepreneurship
BIG 22nd Call
BIOTECHNOLOGY IGNITION GRANT (BIG)
Igniting New Ideas
Innovative Idea having potential for commercialization
800+ ideas already supported
Upto ₹50 Lakhs Grant-in-Aid
Innovations under Healthcare, Lifesciences, Diagnostics, Medical Devices, Drugs, Vaccines, Drug Formulations and Delivery Systems, Industrial Biotechnology, Agriculture, Secondary Agriculture, Waste Management, Sanitation, Clean Energy, and related areas.
Eligible Entities Include
Individual Entrepreneur with Graduate degree in any discipline, Research Scholar, Scientist
Start-up having a registered company/ LLP incorporated on/ after 1st January 2018
Seek Mentoring from BIRAC's BIG Partners & Associate Partners
BIRAC's BIG Partners
www.ccamp.res.in | www.fitt-iitd.org | www.ikpknowledgepark.com | www.kiitincubator.in | www.venturecenter.co.in | www.siicincubator.com | www.aidea.naarm.org.in | www.sineiitb.org
Apply Online www.birac.nic.in
Apply Before 15th February 2023 (05:30 PM)
Refer guidelines and FAQs www.birac.nic.in/big.php
For additional info, please contact: Ms. Diksha Rathore | Email: biracbig.dbt@nic.in

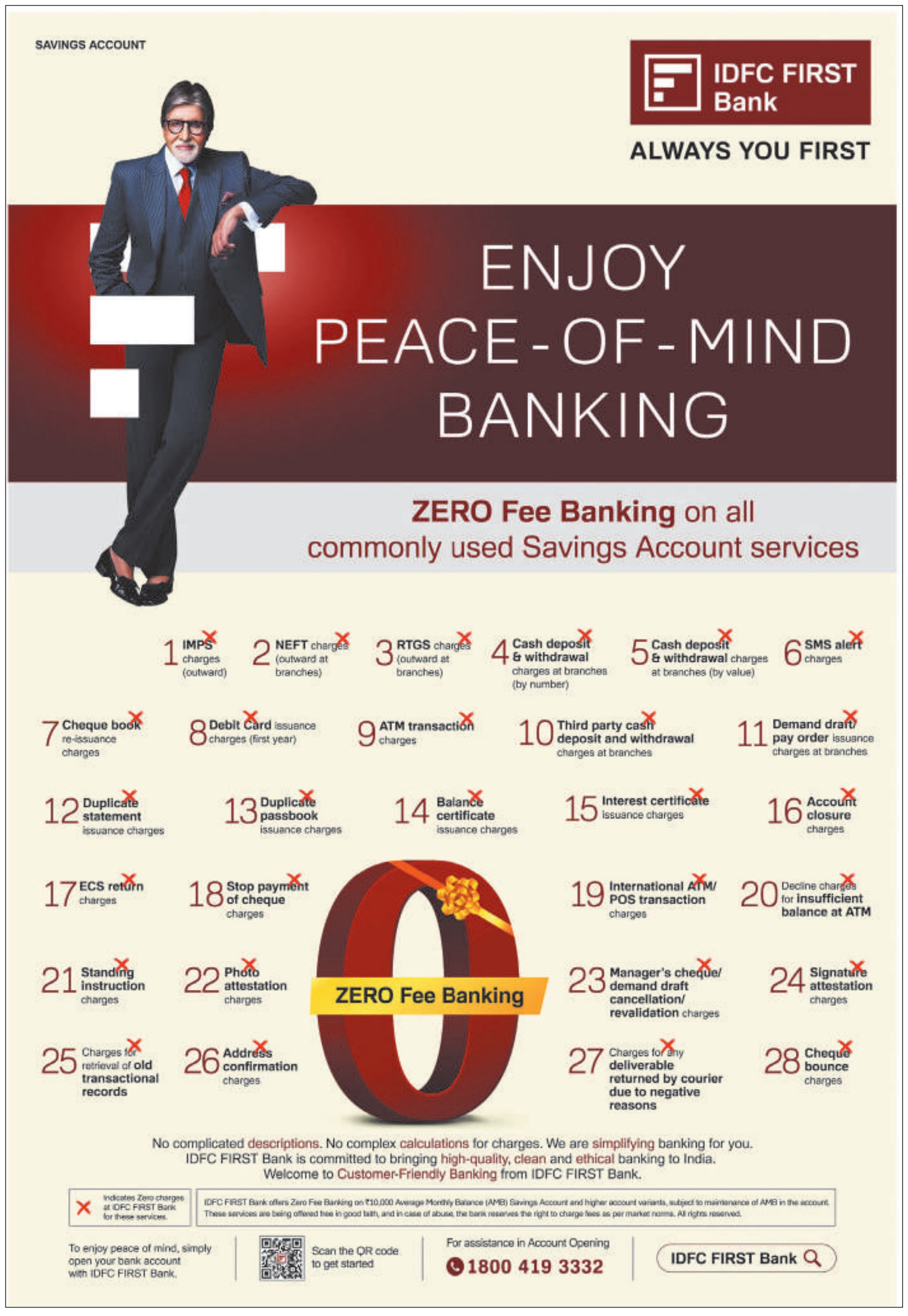
SAVINGS ACCOUNT
IDFC FIRST Bank
ALWAYS YOU FIRST
ENJOY PEACE-OF-MIND BANKING
ZERO Fee Banking on all commonly used Savings Account services
1 IMPS charges (outward)
2 NEFT charges (outward at branches)
3 RTGS charges (outward at branches)
4 Cash deposit & withdrawal charges at branches (by number)
5 Cash deposit & withdrawal charges at branches (by value)
6 SMS alert charges
7 Cheque book re-issuance charges
8 Debit Card issuance charges (first year)
9 ATM transaction charges
10 Third party cash deposit and withdrawal charges at branches
11 Demand draft/ pay order issuance charges at branches
12 Duplicate statement issuance charges
13 Duplicate passbook issuance charges
14 Balance certificate issuance charges
15 Interest certificate issuance charges
16 Account closure charges
17 ECS return charges
18 Stop payment of cheque charges
19 International ATM/ POS transaction charges
20 Decline charges for insufficient balance at ATM
21 Standing instruction charges
22 Photo attestation charges
23 Manager's cheque/ demand draft cancellation/ revalidation charges
24 Signature attestation charges
25 Charges for retrieval of old transactional records
26 Address confirmation charges
27 Charges for any deliverable returned by courier due to negative reasons
28 Cheque bounce charges
ZERO Fee Banking
No complicated descriptions. No complex calculations for charges. We are simplifying banking for you. IDFC FIRST Bank is committed to bringing high-quality, clean and ethical banking to India. Welcome to Customer-Friendly Banking from IDFC FIRST Bank.
Indicates Zero charges at IDFC FIRST Bank for these services.
IDFC FIRST Bank offers Zero Fee Banking on ₹10,000 Average Monthly Balance (AMB) Savings Account and higher account variants, subject to maintenance of AMB in the account. These services are being offered free in good faith, and in case of abuse, the bank reserves the right to charge fees as per market norms. All rights reserved.
To enjoy peace of mind, simply open your bank account with IDFC FIRST Bank.
Scan the QR code to get started
For assistance in Account Opening 1800 419 3332
IDFC FIRST Bank

2022 के आखिरी दिन भी रूस ने किया मिसाइल अटैक

यूक्रेन ने कहा- आम लोगों को निशाना बना रहा, कीव में 1 की मौत, 8 घायल

कीव। 2022 खत्म होते-होते रूस ने एक बार फिर यूक्रेन पर मिसाइलों से हमला किया। न्यू ईयर की शाम को पूरा देश धमाकों की आवाज से गूंज गया। इन हमलों में यूक्रेन की राजधानी कीव में 1 व्यक्ति की मौत हो गई और 8 लोग घायल हो गए। कड़कड़ाती ठंड में नए साल का जश्न मनाने की तैयारी कर रहे यूक्रेन के लोगों को इससे बड़ा झटका लगा है। यह पिछले तीन दिनों में रूस का यूक्रेन पर दूसरा बड़ा मिसाइल अटैक है।

कीव के आस-पास के क्षेत्र के गवर्नर ओलेक्सी कुलेबा ने टेलीग्राम पोस्ट में लिखा- आतंकवादी देश ने हम पर कई मिसाइलें छोड़ीं। वे हमें हैप्पी न्यू ईयर विश कर रहे हैं। लेकिन हम डटे रहेंगे।

माइकोलाइव के दक्षिणी इलाके में स्थानीय गवर्नर विटाली किम ने बताया कि 6 लोग घायल हुए हैं। किम ने कहा- रूस सिर्फ इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना नहीं बना रहा, बल्कि आम नागरिकों को भी नुकसान पहुंचा रहा है। वो रिहायशी इलाकों, होटल, सड़कों और गैराज को निशाना बना रहा है।

कीव में एयर रेड के साइरन बजने के बाद लोगों ने सुरक्षित स्थानों पर शरण ली। हमलों से प्रभावित जगहों पर बचाव अभियान चलाने के लिए इमरजेंसी सर्विसेज को भेजा गया है। देश भर में एयर डिफेंस चालू कर दिया गया है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस अभी और मिसाइल अटैक कर सकता है। जिससे यूक्रेन के लोगों को अंधेरे में न्यू ईयर मनानी पड़े।

यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने हमलों के बाद टेलीग्राम पर एक संदेश पोस्ट किया। उसमें लिखा- सामान्य इंफ्रास्ट्रक्चर पर हो रहे हर मिसाइल हमले के बाद यूक्रेन के ज्यादा से ज्यादा लोगों को पुतिन के शासन के खात्मे तक लड़ने की जरूरत महसूस हो रही है।

कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि हमलों में एक जापानी पत्रकार भी घायल हुआ है जिसे अस्पताल में भर्ती किया गया है। न्यूज आउटलेट रॉयटर्स के मुताबिक कीव में 10 बड़े धमाकों की आवाज सुनी गई। कीव में एक होटल को भी हमलों से नुकसान पहुंचा है। वहीं एक दूसरे जिले में एक रिहाइशी इमारत को मिसाइल से हमला पहुंचाया।

नॉर्थ कोरिया ने 15 मिनट में दागीं 3 बैलिस्टिक मिसाइल

जापान के समुद्र में गिरीं, साल के आखिरी दिन भी पड़ोसी देशों को डराया

प्योंगयांग। नॉर्थ कोरिया ने साल के आखिरी दिन यानी 31 दिसंबर 2022 को भी जापान के समुद्र में एक के बाद एक तीन बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। जापान के रक्षा मंत्रालय ने इसका दावा किया है। जापान ने बताया है कि ये बैलिस्टिक मिसाइलें सुबह 8 बजे के बाद 15 मिनट के भीतर दागी गईं। इन सभी को नॉर्थ कोरिया की राजधानी प्योंगयांग में बने सेंटर से लॉन्च किया गया था। सभी बैलिस्टिक मिसाइलें 100 किलो मीटर की ऊंचाई तक गईं और इन्होंने 350 किलोमीटर की दूरी तय की।

जापान की डिफेंस मिनिस्ट्री ने बताया कि नॉर्थ कोरिया की ओर से दागीं गई मिसाइल के रास्ते में कई एयरक्राफ्ट और जहाज थे। अगर वो उसकी चपेट में आते तो बड़ा हादसा हो सकता था। फिलहाल किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है। जापान की डिफेंस मिनिस्ट्री ने कहा, नॉर्थ कोरिया की ओर से की गई इस तरह की कार्रवाई से पूरे क्षेत्र की शांति और सुरक्षा को खतरा है। नॉर्थ कोरिया का ये बैलिस्टिक मिसाइल टेस्ट संयुक्त राष्ट संघ की सुरक्षा परिषद के नियमों के खिलाफ हैं।

साउथ कोरिया के ज्वाइंट चीफ स्टाफ ने भी नॉर्थ कोरिया के मिसाइल टेस्ट की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि साउथ कोरिया की मिलिट्री पूरे स्थित को मॉनिटर कर रही है। किसी भी कार्रवाई का जवाब देने के लिए हमारी सेना तैयार है, साथ ही इलाके की निगरानी के लिए अमेरिका को सहयोग दिया जा रहा है।

नॉर्थ कोरिया ने जापान के सागर में दागीं मिसाइलेंन्इस साल का 36वां परीक्षण, रूस को हथियार भेजने के आरोपों को किया खारिज रूस को हथियार पहुंचाने के आरोप लगने के कुछ ही घंटों बाद नॉर्थ कोरिया ने शुक्रवार को जापान के ईस्ट कोस्ट के करीब दो शॉर्ट रेंज की मिसाइलें दागीं हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह नॉर्थ कोरिया का इस साल का 36वां मिसाइल परीक्षण है।

1 जनवरी से लूला डा सिल्वा होंगे ब्राजील के राष्ट्रपति

चुनाव हारने वाले जायर बोल्सोनारो ने देश छोड़ा, कहा- लड़ाई हारा हूं, युद्ध नहीं

ब्रासीलिया। ब्राजील में नए साल के पहले दिन यानी 1 जनवरी को लूला डा सिल्वा राष्ट्रपति पद संभालेंगे। लेकिन उससे पहले मौजूदा राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो देश छोड़कर अमेरिका के फ्लोरिडा चले गए हैं। नए राष्ट्रपति लूला के शपथ ग्रहण समारोह में बोल्सोनारो उन्हें 'प्रेसिडेंशियल सैश' नहीं सौंपेगे। प्रेसिडेंशियल सैश कपड़े का एक बैंड होता है जिसे कंधे से लेकर कमर तक पहना जाता है। इसे सिर्फ राष्ट्रपति ही पहन सकते हैं। जब कोई राष्ट्रपति पद छोड़ता है तो आधिकारिक समारोह में इस बैंड को अगले राष्ट्रपति को सौंप देता है। ब्राजील में भी इस परंपरा का पालन किया जाता है। लेकिन बोल्सोनारो के देश छोड़कर जाने से यह लोकतांत्रिक परंपरा टूट जाएगी।

फिलहाल, उपराष्ट्रपति हैमिल्टन मुराओ कार्यकारी राष्ट्रपति के तौर पर काम कर रहे हैं। लेकिन हैमिल्टन भी लूला को प्रेसिडेंशियल सैश नहीं सौंपेगे। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि लूला को औपचारिक रूप से राष्ट्रपति पद का दायित्व कौन सौंपेगा। बोल्सोनारो ने शुक्रवार को देश छोड़ने से पहले अपने समर्थकों के सामने भावुक भाषण दिया। उन्होंने कहा- मैंने लड़ाई हारी है, युद्ध नहीं। बोल्सोनारो ने राजनीतिक हिंसा से खुद को अलग करते हुए कहा कि मैंने किसी को लड़ाई करने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया है।

रेत से लदा टिप्पर दुर्घटनाग्रस्त, चालक सहित 2 घायल

भड़ेला। चम्बा जिले के उपमंडल सलूणी के हलूरी-भड़ेला मार्ग पर धनेली के समीप रेत से लदा टिप्पर सड़क का डंगा धंसने से दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में टिप्पर चालक व एक अन्य युवक घायल हो गया। टिप्पर चालक अजय पुत्र सोमराज निवासी गांव भड़ेला व सन्नी पुत्र चैन लाल निवासी गांव मेरु सुबह टिप्पर (एचपी 73बी-0258) में रेत लादकर ग्रोहण की तरफ जा रहे थे। जैसे ही टिप्पर धनेली वन विभाग के विश्राम गृह के समीप पहुंचा तो सड़क का डंगा धंस गया, जिससे टिप्पर अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे पलट गया और टिप्पर सहित दोनों सवार नीचे खेत में जा गिरे।

This New Year, Find Total Balance.
THE SUPER OIL
fortune xpert
total balance

स्कॉर्पियो से 500 बोतल शराब बरामद, 6 लोग गिरफ्तार

बक्सर। बिहार के बक्सर जिले से उत्पाद विभाग ने एक वाहन को जब्त कर 500 बोतल शराब के साथ छह लोगों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई उत्पाद पुलिस द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर की गई है। उत्पाद अधीक्षक देवेंद्र प्रसाद ने बताया कि गुरुवार की सुबह सूचना मिली कि कुछ तस्कर उत्तरप्रदेश से शराब लेकर जवही दियार इलाके में जाने की कोशिश में हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने जवही दियार में गश्ती शुरू की। इसी बीच बक्सर-कोइलवर बांध पर ब्यासी घाट की तरफ से एक ही स्कॉर्पियो आते हुए नजर आई।

अमृतसर, जालंधर, लुधियाना से दिल्ली जाने वाले नैशनल हाईवे पर लगा धरना

जालंधर ■ एजेंसी

अगर आप अमृतसर, जालंधर, लुधियाना से दिल्ली जाने के बारे में सोच रहे हैं तो अपना रूट जरूर बदल लें। बताया जा रहा है कि ट्रक आप्रेटर यूनियन ने दिल्ली-अमृतसर नैशनल हाईवे पर पक्का मोर्चा खोल दिया है और शंभू बार्डर पर नैशनल हाईवे को एक तरफ से पूरी तरह बंद कर दिया है। बेशक आप्रेटरों ने उक्त हाईवे को एक तरफ से जाम किया है, लेकिन फिर भी बावजूद इसके लोगों को आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है और ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी हुई है। वहीं प्रशासन फिलहाल जाम खुलवाने की कोशिशों में लगा हुआ है। वहीं पुलिस द्वारा ट्रैफिक डायवर्ट किया जा रहा है, लेकिन फिर भी इस दौरान राहगीरों का काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

अपनी मांगों को लेकर पंजाब सरकार की तरफ से कोई रिस्पांस न मिलने के बाद ट्रक आप्रेटरों ने शंभू बार्डर पर पक्का मोर्चा खोल दिया है और नैशनल हाईवे को पूर्ण रूप से जाम कर दिया है। ट्रक आप्रेटर यूनियन के लोगों का कहना है कि पंजाब सरकार की तरफ से कोई रिस्पांस न दिए जाने के बाद यह कदम उठाया गया है। ट्रक आप्रेटरों ने अपनी यूनियन को फिर से बहाल करने की मांग सरकार के समक्ष रखी थी, जिसे लेकर पंजाब सरकार की तरफ से कोई रिस्पांस न मिलने पर यूनियन ने उक्त नैशनल हाईवे पूरी तरह से बंद कर दिया है। वहीं अब यह धरना कितने दिनों तक चलेगा और उक्त हाईवे कितने समय के लिए बंद रहेगा, इस बारे आने वाले समय में ही पता चलेगा।

HYUNDAI
SURJEET HYUNDAI
Innovation #BeyondMobility
J.K.Road Bhopal 9200881313
Chunabhatti Bhopal 9200991313
Sehore 8889239876
Raisen 8889234321
Airport Road Indore 9111111713
Karond Bhopal 8889200059

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India
MOBILE APP
Azadi Ka Amrit Mahotsav
INSTANT CASH AGAINST GOLD
GOLD
Shape your dreams with Union Gold Loan
Union ₹ Gold Loan
Avail Gold Loan up to ₹ 1 Crore*
For more details, visit your nearest branch
(Toll Free No.) 1800 208 2244 / 1800 425 1515 / 1800 425 3555 | www.unionbankofindia.co.in

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया Central Bank of India
1911 से आपके लिए "केंद्रित" "CENTRAL" TO YOU SINCE 1911
सेन्ट आवास ऋण
आपके अपने घर का सपना साकार करने में आपके साथ
CENT HOME LOAN
With you to make your dream home come true